नवसर्जन संस्कृति

RNI No. GJHIN/25/A2786
NAVSARJAN SANSKRUTI

# नवसर्जन संस्कृति

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 013
दि. 13.10.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : JIGNESHKUMAR PETHABHAI VAGHELA Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com


## युवा शक्ति का महासंग्राम: जब क्लासरुम से निकली 'विकसित भारत' की चिंगारी

नई दिल्ली। रविवार की सुबह नई दिल्ली का वातावरण कुछ अलग था। देशभर के लाखों छात्रों के दिलों में उत्साह और सपनों की लहर दौड़ रही थी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने युवाओं को संबोधित करते हुए एक ऐसा आह्वान किया, जिसने हर छात्र के भीतर देश के निर्माण की भावना को फिर से जगा दिया। उन्होंने कहा — "युवा शक्ति ही विकसित भारत की धड़कन है।" यह वाक्य सिर्फ प्रेरणा नहीं था, यह एक पुकार थी — देश के भविष्य को अपने हाथों से गढ़ने की। यह पुकार थी 'विकसित भारत बिल्डथॉन 2025' की — एक ऐसा राष्ट्रीय आंदोलन, जहाँ विचारों से निर्माण की यात्रा शुरू होती है। प्रधान ने कहा कि अब क्लासरूम केवल पढ़ाई की जगह नहीं, बल्कि प्रयोगशालाएँ बन रही हैं, जहाँ आइडिया इनोवेशन में बदल रहे हैं और इनोवेशन राष्ट्र निर्माण की दिशा तय कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं को बताया कि 13 अक्टूबर की सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक भारत के लाखों युवा दिमाग एक साथ जुड़ेंगे — न किसी परीक्षा के लिए, न किसी डिग्री के लिए, बल्कि एक विकसित भारत की कल्पना को साकार करने के लिए। यह

आयोजन केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक महाअभियान है — रचनात्मकता, दृढ़ता और आत्मविश्वास का उत्सव। शिक्षा मंत्री ने छात्रों से कहा, "तुम्हारा एक विचार किसी गाँव का चेहरा बदल सकता है, किसी स्कूल को नई रोशनी दे सकता है या किसी पूरे समुदाय को नई दिशा दिखा सकता है। यही विचार 'विकसित भारत बिल्डथॉन' का सार है।" प्रधान ने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने विचारों को सीमाओं से परे ले जाएँ। आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी, वोकल फॉर लोकल और समृद्ध भारत — इन चार मुख्य थीम्स पर काम करते हुए वे ऐसा समाधान खोजें जो देश को तकनीकी, सामाजिक और आर्थिक रूप से आगे बढ़ाए। उन्होंने कहा, "यह बिल्डथॉन वही मंच है जहाँ से प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत 2047' के सपने को वास्तविकता में बदला जा सकता है।" छात्रों की आँखों में चमक थी, मन में उमंग थी। किसी के मन में ग्रामीण शिक्षा को डिजिटल बनाने का विचार था, तो कोई सोच रहा था कि किस तरह स्थानीय संसाधनों से पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा पैदा की जाए। कई टीमें पहले से तैयारी में जुट चुकी थीं — कुछ स्कूलों ने अपने आइडिया क्लासरूम स्तर पर परखा, तो कुछ ने छोटे मॉडल तैयार किए। बच्चे अपने शिक्षकों से मार्गदर्शन ले रहे थे, और हर स्कूल में नवाचार की एक हवा चल पड़ी थी। प्रधान ने कहा, "आपका आइडिया केवल एक सोच नहीं है, यह भारत की दिशा तय करने वाली शक्ति है। vbb.mic.gov.in पर रजिस्टर करें, और अपनी कल्पना को उड़ान दें। भर लो उड़ान, छू लो आसमान।" उनकी यह पंक्ति छात्रों के दिलों में गूँज उठी। 'विकसित भारत बिल्डथॉन 2025' का उद्देश्य केवल प्रतिभा प्रदर्शन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की चेतना को जगाना है। इसे शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग और AICTE के सहयोग से शुरू किया गया है। सरकार का मानना है कि देश के स्कूलों में पढ़ने वाला हर छात्र भविष्य का इनोवेटर है, और यदि उसकी सोच को दिशा दी जाए, तो भारत दुनिया का इनोवेशन हब बन सकता है।

इस पहल के पीछे एक गहरी सोच है — कि भारत के बच्चे अब उपभोक्ता नहीं, बल्कि सृजनकर्ता बनें। वे केवल तकनीक का उपयोग न करें, बल्कि तकनीक का निर्माण करें। वे केवल रोजगार खोजने वाले न बनें, बल्कि रोजगार देने वाले बनें।

प्रधान के शब्दों में — "हर विचार, हर प्रयोग, हर बदलाव एक नए भारत की नींव रखता है। यह समय है कि हम सोचें, बनाएँ और सपनों को साकार करें। विकसित भारत कोई दूर का सपना नहीं, यह आज के युवा का प्रोजेक्ट है।"

क्लासरूमों में बैठा हर बच्चा, जिसकी आँखों में देश के लिए कुछ करने की चाह है, आज इस आंदोलन का हिस्सा है। कहीं एक छोटा सा छात्र गाँव की सफाई के लिए नया यंत्र बना रहा है, कहीं कोई किशोरी जल संरक्षण पर काम कर रही है।

## संविधान और न्यायपालिका ने भारत को उसके पड़ोसी देशों से अलग और विशिष्ट बनायाहै : सीजेआईगवई

रत्नागिरी के मंदनगढ़ तालुका में रविवार का दिन विशेष रहा। यहाँ नए न्यायालय भवन का उद्घाटन करने आए भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए संविधान, न्यायपालिका और राष्ट्रीय एकजुटता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संविधान ने भारत को न केवल एक मजबूत राष्ट्र बनाया है, बल्कि पड़ोसी देशों में जारी अशांति और उथल-पुथल से इसे अलग खड़ा रखा है। सीजेआई गवई ने अपने भाषण में कहा कि भारत ने विभिन्न युद्धों और आंतरिक चुनौतियों के बावजूद एकजुटता बनाए रखी। उन्होंने याद दिलाया कि देश ने आंतरिक आपातकाल जैसी कठिन परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन संविधान की बदौलत लोकतंत्र और न्यायपालिका मजबूत बने रहे। उन्होंने डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को इस स्थिरता का मुख्य स्तंभ बताया। गवई ने श्रीलंका, बांग्लादेश और हाल ही में नेपाल में हुई नागरिक अशांति का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां सरकारों में बदलाव, दंगे और आगजनी ने आम नागरिकों को गहरी परेशानियों में डाल दिया। इसके विपरीत भारत में संविधान ने नागरिकों को सुरक्षा, न्याय और अधिकार प्रदान किए।

न्यायिक बुनियादी ढांचे और विकेंद्रीकरण पर भी मुख्य न्यायाधीश ने जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले 22 वर्षों में न्यायपालिका में न्याय के विकेंद्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए कई परियोजनाओं पर काम किया गया। विशेष रूप से कोल्हापुर सर्किट बेंच और मंदनगढ़ न्यायालय भवन का निर्माण दो वर्षों में पूरा करना उनके लिए अत्यंत संतोषजनक अनुभव रहा। उन्होंने न्यायपालिका के इस प्रयास को अंतिम नागरिक तक न्याय पहुँचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

सीजेआई ने यह भी कहा कि नए भवन का बाबासाहेब अंबेडकर के पैतृक गांव अंबावडे के पास स्थित होना एक प्रतीकात्मक महत्व रखता है। यह न्यायालय न केवल आधुनिक न्यायिक सुविधाएँ प्रदान करेगा, बल्कि अंबेडकर के सपनों को साकार करने का माध्यम भी बनेगा। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार का धन्यवाद किया और आशा व्यक्त की कि ये न्यायालयें न्याय की गति को और तेज़ करेंगी।

अपने भाषण में गवई ने न्यायपालिका और कार्यपालिका के सहयोग के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत से ही न्याय की उम्मीद कायम रहती है। न्यायपालिका को कार्यपालिका से वित्तीय सहयोग प्राप्त होना चाहिए ताकि सभी नागरिकों तक शीघ्र और निष्पक्ष न्याय पहुँच सके। उन्होंने हाल ही में नासिक, नागपुर, कोल्हापुर और दरियापुर में नए न्यायालय भवनों के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह न्यायपालिका की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई का यह संदेश स्पष्ट था: संविधान भारत को मजबूत और एकजुट बनाता है, न्यायपालिका नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करती है, और कार्यपालिका के सहयोग से ही न्याय का वास्तविक लाभ जनता तक पहुँच सकता है। रत्नागिरी में नए भवन का उद्घाटन न केवल एक भौतिक संरचना का आयोजन था, बल्कि यह लोकतंत्र, न्याय और संविधान की स्थिरता का प्रतीक भी बना।

## देश के युवाओं से केंद्रीय शिक्षा मंत्री की अपील, विकसित भारत बिल्डथॉन 2025 में भाग लें

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को देश के युवाओं से 'विकसित भारत बिल्डथॉन 2025' में हिस्सा लेने की खास अपील की। उन्होंने कहा कि देशभर में क्लासरूम बदलाव की सबसे बड़ी प्रयोगशालाएं बन रही हैं, जहां आइडियाज इनोवेशन में बदलते हैं और इनोवेशन राष्ट्र निर्माण में योगदान करते हैं। प्रधान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों को उद्धृत करते हुए कहा कि युवा शक्ति ही विकसित भारत की धड़कन है।

प्रधान ने बताया कि यह धड़कन 13 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक पूरे देश में गूंजेगी, जब भारत के युवा दिमाग विकसित भारत बिल्डथॉन 2025 के लिए एकजुट होंगे। यह आयोजन रचनात्मकता, दृढ़ता और आत्मविश्वास का एक राष्ट्रव्यापी उत्सव है। उन्होंने छात्रों से कहा कि यह बिल्डथॉन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आंदोलन है, जो बेहतर भारत के लिए सोचने, बनाने और समाधान तैयार करने का आह्वान करता है। शिक्षा मंत्री ने बिल्डथॉन की चार मुख्य थीम्स पर ध्यान केंद्रित किया:आत्मनिर्भर भारत,स्वदेशी,वोकल फॉर लोकल समृद्ध भारत। प्रधान ने कहा कि यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दृष्टिकोण के अनुरूप है और छात्रों को अपने आइडियाज से क्लासरूम और समुदाय में बदलाव लाने का अवसर देती है।

धर्मेंद्र प्रधान ने छात्रों से कहा,'आपका एक आइडिया किसी क्लासरूम को रोशन कर सकता है या पूरे समुदाय को बदल सकता है। vbb.mic.gov.in पर आज ही रजिस्टर करें और दुनिया को भारत की युवा शक्ति की ताकत दिखाएं। भर लो उड़ान और छू लो आसमान।'

विकसित भारत बिल्डथॉन 2025 को पिछले महीने लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य भारत के स्कूलों के छात्रों को जोड़ना और उनकी रचनात्मक क्षमता को राष्ट्र निर्माण में लगाना है। इसे स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग और AICTE के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

## अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने दिया हर सवाल का जवाब

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी अपने सात दिवसीय दौरे पर भारत आए हुए हैं। रविवार को दिल्ली स्थित अफगानिस्तान एंबेसी में उन्होंने पत्रकारों से रूबरू होकर महिलाओं की शिक्षा, पाकिस्तान, अमेरिका और व्यापार संबंधी मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। इस बार महिला पत्रकारों को भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लेने का अवसर मिला।

विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने भारत के विदेश मंत्री से मिलकर दोबारा विकास कार्यों और अधूरे प्रोजेक्ट्स को पूरा करने की योजना बनाई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया जाएगा और दिल्ली-काबूल फ्लाइट चलाने का प्रस्ताव रखा गया। उन्होंने भारत-अफगानिस्तान के बीच व्यापार बढ़ाने के लिए ज्वाइंट कमेटी बनाने, वीज़ा सुविधाओं में सुधार और निवेश के लिए निमंत्रण देने की घोषणा की।

महिलाओं की शिक्षा के सवाल पर मुत्ताकी ने कहा कि अफगानिस्तान में 1 करोड़ छात्राएं पढ़ रही हैं, जिनमें 28 लाख लड़कियां शामिल हैं। धार्मिक मदरसों में भी शिक्षा उपलब्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ क्षेत्रों में अस्थायी सीमाएं हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सरकार शिक्षा का विरोध करती है।

मुत्ताकी ने पाकिस्तान से संबंधों पर कहा कि उनकी सरकार अमन चाहती है, लेकिन कुछ तत्व शांति नहीं चाहते। उन्होंने अफगानिस्तान की तरफ से कोई युद्ध नहीं होने और सरहदों को सुरक्षित रखने का जोर दिया।

विदेश मंत्री ने कहा कि अफगानिस्तान ने पिछले 40 सालों में कई संघर्ष झेले, जिनमें नाटो और अमेरिका के साथ 20 साल तक लड़ाई शामिल थी। उन्होंने कहा कि अब बातचीत और कूटनीतिक रास्तों से हर मुद्दे का हल निकालना प्राथमिकता है।

मुत्ताकी ने यह भी कहा कि अफगानिस्तान में सबके अधिकार सुरक्षित हैं, पुरुष हों या महिलाएं, स्थानीय या विदेशी कोई भी। पिछले चार सालों में किसी के साथ ज्यादती नहीं हुई और सभी नागरिक सुरक्षित हैं।

## दलित IPS पूरन कुमार के परिवार के लिए न्याय की लड़ाई: पंजाब में AAP का जन आंदोलन

चंडीगढ़। पंजाब में आम आदमी पार्टी (AAP) ने दलित आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार के परिवार के न्याय की मांग को लेकर व्यापक जन समर्थन जुटाया है। पूरन कुमार की हालिया मौत और हरियाणा की भाजपा सरकार की निष्क्रियता ने राज्य में सामाजिक चेतना को झकझोर दिया है। AAP ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक अफसर की मौत का मामला नहीं है, बल्कि यह न्याय, समानता और सामाजिक सम्मान की लड़ाई है।

पूरन कुमार, जो दलित समाज से आने वाले वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी थे, ने हाल ही में आत्महत्या कर ली। उनके परिवार ने न्याय की लगातार मांग की, लेकिन पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार में हुई देरी से यह स्पष्ट हुआ कि सत्ता तंत्र ने उनके मामले को दबाने की कोशिश की। इसी विरोध और असंतोष को लेकर AAP ने यह मुद्दा जन आंदोलन में बदल दिया है। पंजाब की सड़कों पर अब इंसाफ की आवाज गूंज रही है।

प्रदेश के प्रमुख जिलों में कैंडल मार्च आयोजित किए जा रहे हैं। अमृतसर में हरभजन सिंह ETO, जालंधर में मोहिंदर भगत, पटियाला में MLA गुरदेव देवमान और चंडीगढ़ में पार्टी के वरिष्ठ नेता इन मार्चों का नेतृत्व करेंगे। AAP ने कहा कि यह केवल प्रतीकात्मक प्रदर्शन नहीं है, बल्कि संदेश है कि जब सत्ता अन्याय पर चुप रहती है, तो जनता सक्रिय होकर जवाब देती है।

इस आंदोलन को डॉ. भीमराव अंबेडकर की विचारधारा से जोड़ा गया है। बाबा साहेब के न्याय, समानता और गरिमा के सिद्धांतों की रक्षा के लिए यह मोर्चा खोला गया है। पूरन कुमार जैसे ईमानदार अफसरों के साथ हुए अन्याय को पंजाब की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। यह लड़ाई केवल एक व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि पूरे दलित समाज की गरिमा के लिए है। AAP ने कहा कि भाजपा सरकार की संवेदनहीनता यह दर्शाती है कि दलित समाज के दर्द को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। लेकिन इतिहास यह भी दिखाता है कि जब सत्ता आवाज दबाने की कोशिश करती है, तो सड़क पर जनसमर्थन निर्णायक साबित होता है। पूरे पंजाब में मोमबत्तियां जलाकर एक स्वर में इंसाफ की मांग उठाई जा रही है। पार्टी ने स्पष्ट किया कि यह संघर्ष लंबा और कठिन हो सकता है, लेकिन पूरन कुमार को न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा।

## सीमा पर बारूद की गंध: स्पिन बोलदाक-चमन क्रॉसिंग पर पाकिस्तान-अफगानिस्तान आमने-सामने

इस्लामाबाद। रात के सन्नाटे में जब सीमांत चौकियों पर सिर्फ हवा की सरसराहट सुनाई दे रही थी, तभी अफगानिस्तान और पाकिस्तान की साझा सीमा — स्पिन बोलदाक-चमन क्रॉसिंग — पर बारूद की गंध फैलने लगी। यह वही रास्ता है जहाँ कभी दोनों देशों के व्यापारी हाथ मिलाकर सौदे करते थे, पर आज वही स्थान गोलियों की आवाज़ से गूँज रहा है। शनिवार देर रात से इस सीमा को पूरी तरह बंद कर दिया गया।

रक्षा सूत्रों के मुताबिक अफगान सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। पूरे कंधार से लेकर क्वेटा तक के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से कड़ा किया गया है। यह सीमा बिंदु अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सबसे व्यस्त व्यापारिक मार्ग है, जहाँ से रोज़ हजारों लोग और सैकड़ों ट्रक आते-जाते थे। अब चारों ओर सन्नाटा है, दुकानों के शटर गिरे हुए हैं, और सड़कें वीरान पड़ी हैं।

तनाव की शुरुआत कुछ दिन पहले तब हुई जब पाकिस्तान ने अफगान सीमा के भीतर मिसाइल दागी। इस हमले में तालिबान समर्थक माने जाने वाले कुछ चरमपंथियों के ठिकाने को निशाना बनाया गया। अफगानिस्तान ने इस हमले को अपनी संप्रभुता पर सीधा आघात बताया और बदले में पलटवार कर दिया। अफगान सुरक्षा बलों ने दावा किया कि उन्होंने पाकिस्तान के 58 सैनिकों को मार गिराया और कुछ चौकियों पर कब्जा कर लिया। पाकिस्तान ने इस दावे का खंडन करते हुए कहा कि "अफगानिस्तान झूठ फैला रहा है, ताकि अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित कर सके।"

लेकिन जमीनी हालात कुछ और ही कहानी कह रहे हैं। सीमा पर लगातार गोलीबारी, तोपों की गरज और मोर्टार के धमाकों से इलाका दहशत में है। दोनों देशों के सैनिक बंकरों में मोर्चाबंदी किए बैठे हैं। चमन के बाज़ारों में अब केवल सन्नाटा बचा है, और लोग घरों में दुबके हैं।

सीमावर्ती इलाकों में जनजीवन ठप पड़ गया है। जो लोग रोज़ व्यापार के लिए स्पिन बोलदाक से पाकिस्तान आते थे, वे अब बेरोज़गार हो गए हैं। कई परिवार दोनों ओर बँटे हुए हैं — किसी के रिश्तेदार अफगानिस्तान में हैं, तो किसी के पाकिस्तान में। सीमा बंद होने से बुज़ुर्गों की दवाइयाँ, बच्चों की पढ़ाई, और गरीबों की रोज़ी-रोटी सब पर पहाड़ टूट पड़ा है। अब न कोई व्यापार है, न आवागमन।

इसी बीच एक और बड़ी घटना ने आग में घी डालने का काम किया। अफगानिस्तान ने सात पाकिस्तानी सैनिकों को बंधक बना लिया। तालिबान शासन ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि पाकिस्तान ने "सीमा उल्लंघन" दोहराया तो "प्रतिक्रिया और भी कठोर होगी।" पाकिस्तान ने अपने रक्षा मुख्यालय से जवाब में बयान जारी किया — "हम संयम बरत रहे हैं, लेकिन हमारे सैनिकों पर हमला सहन नहीं किया जाएगा।" दोनों देशों की सेना अब एक-दूसरे की हर गतिविधि पर नजर रख रही हैं।

इस पूरे विवाद की जड़ वही पुरानी समस्या है — तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP)। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान आतंकवादियों को पनाह देता है, जो वहीं से सीमा पार आकर पाकिस्तान में हमले करते हैं। अफगानिस्तान का कहना है कि पाकिस्तान अपने भीतर के आतंक को रोकने में असफल है और अब दोष मढ़ रहा है। इस आरोप-प्रत्यारोप के बीच सीमाओं पर खून बह रहा है और निर्दोष नागरिक त्राहि-त्राहि कर रहे हैं।

पाकिस्तान की ओर से व्यापारिक शहर क्वेटा में आपात बैठकें चल रही हैं, जबकि अफगानिस्तान के कंधार में तालिबान नेतृत्व ने अपने कमांडरों को पूरी तैयारी में रहने का आदेश दिया है। दोनों देशों के बीच राजनयिक बातचीत लगभग बंद है। इस्लामाबाद से भेजे गए संदेशों का जवाब काबुल नहीं दे रहा, और काबुल की चेतावनियों को पाकिस्तान अनसुना कर रहा है।

स्पिन बोलदाक-चमन क्रॉसिंग अब बंद है। सैकड़ों ट्रक फँसे हुए हैं, कई किलोमीटर लंबी कतारें लगी हैं। व्यापार ठप है, ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं। दोनों तरफ के छोटे कस्बे, जो पहले सीमा व्यापार से फलते-फूलते थे, अब भुखमरी के कगार पर हैं।

कंधार से एक स्थानीय वृद्ध ने कहा, "हम तो रोज़ चमन से दवा लाते थे, अब तीन दिन से बच्चा बुखार में पड़ा है, पर दवा नहीं मिल रही।" सीमा के उस पार क्वेटा के एक व्यापारी ने फोन पर बताया, "हमारे ट्रक वहीं फँसे हैं, और हर घंटे नुकसान बढ़ रहा है। दोनों सरकारें झगड़ रही हैं, भुगतना हमें पड़ रहा है।"

इन सबके बीच अंतरराष्ट्रीय समुदाय चिंतित है। संयुक्त राष्ट्र ने दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की है, जबकि अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि "अफगानिस्तान और पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करना चाहिए, एक-दूसरे के खिलाफ नहीं।"

लेकिन ज़मीन पर स्थिति बिलकुल विपरीत है। सीमा की बाड़ के दोनों ओर बंदूकें तनी हुई हैं, और सैनिकों की आँखों में विश्वास नहीं, अविश्वास झलक रहा है। इस बार का तनाव केवल गोलीबारी तक सीमित नहीं, बल्कि यह एक राजनयिक टकराव और अविश्वास के गहरे दलदल में बदल चुका है।

अब सवाल यह है — क्या यह सीमा फिर कभी खुल पाएगी? क्या दोनों देश अपने मतभेदों को बातचीत से सुलझा पाएँगे? अभी तो हालात यही कह रहे हैं कि स्पिन बोलदाक-चमन क्रॉसिंग अब शांति की नहीं, युद्ध की प्रतीक बन चुकी है।

## संपादकीय

# दोनों का फायदा

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भारत की यात्रा पर आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। यह यात्रा जुलाई में पीएम मोदी की ब्रिटेन यात्रा के बाद हुई है, जहां दोनों देशों ने टेक्नोलॉजी, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और अनुसंधान जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। स्टार्मर, जो उद्योग जगत के बड़े नामों के साथ भारत आए, ने नई दिल्ली के साथ साझेदारी को 'ग्रोथ का लॉन्चपैड' बताया, जबकि पीएम मोदी ने ब्रिटेन को 'स्वाभाविक साझेदार' कहा। यह मुलाकात दो महीने पहले हुए विस्तृत आर्थिक और व्यापार समझौते (CETA) को जल्द लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके लिए एक जॉइंट कमिटी बनाने का ऐलान किया गया है।

इस व्यापार समझौते से दोनों देशों को जबरदस्त फायदा होने की उम्मीद है। ब्रिटेन से भारत आने वाले सामानों पर औसत टैरिफ 15% से घटकर 3% हो जाएगा, वहीं भारत से ब्रिटेन निर्यात होने वाले 99% उत्पादों पर टैरिफ पूरी तरह खत्म हो जाएगा। इस डील से व्यापारियों और उपभोक्ताओं को लाभ होगा, साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। वर्तमान में दोनों देशों के बीच लगभग 56 अरब डॉलर का व्यापार है, जिसे 2030 तक दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है।

यह सहयोग ऐसे समय में हो रहा है जब भारतीय उद्योग, खासकर टेक्सटाइल सेक्टर, अमेरिकी टैरिफ के कारण दबाव में है। आशंका है कि चीन और बांग्लादेश पर कम टैरिफ के कारण भारत के टेक्सटाइल निर्यात में अगले साल 10% तक की गिरावट आ सकती है। ब्रिटेन के साथ हुई यह डील इस संभावित नुकसान को कम करने में मददगार साबित होगी।

स्टार्मर के दौरे ने टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, शिक्षा, निवेश, स्वास्थ्य और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के नए रास्ते खोले हैं। एक बड़ी घोषणा यह है कि ब्रिटेन के 9 विश्वविद्यालय अब भारत में अपने कैंपस खोल सकेंगे। यह उन भारतीय छात्रों के लिए एक बड़ी राहत है जो अमेरिका की वीजा नीतियों के कारण विदेश में पढ़ाई के अवसरों को लेकर चिंतित थे। अपने ही देश में अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्राप्त करने के अवसर मिलने से रिसर्च को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी और स्टार्मर दोनों ही इन द्विपक्षीय समझौतों को ऐतिहासिक मान रहे हैं, जिसका मुख्य कारण मौजूदा वैश्विक परिस्थितियां हैं। अमेरिका के बढ़ते दबाव के बीच, इन मुलाकातों ने दोनों देशों को नए विकल्प दिए हैं। ये नए विकल्प उन्हें अमेरिका के साथ बातचीत करते समय एक मजबूत स्थिति प्रदान करेंगे। यह साझेदारी न केवल आर्थिक विकास को गति देगी, बल्कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों को भी मजबूत करेगी। यह दिखाता है कि कैसे देश आपसी सहयोग से वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और अपने नागरिकों के लिए बेहतर अवसर पैदा कर सकते हैं। इस तरह की साझेदारी भविष्य में और भी मजबूत होने की उम्मीद है, जो दोनों देशों के लिए फायदेमंद साबित होगी।

# देश-दुनिया की निगाहे माइनिंग सेक्टर तो एग्रेसिव मोड पर राजस्थान

> अमेरिका कभी कनाडा को अमेरिका का राज्य ही बनाने में जुटा है तो यूक्रेन की खनिज संपदा अपने नाम करवाने या रुस पर दबाव बनाने के पीछे धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा ही है। खनिज संपदा पर आज दुनिया के देशों की नजर है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट से एक बात साफ हो जानी चाहिए कि आज अमेरिका ही नहीं दुनिया के अन्य देशों के लिए भी धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा महत्वपूर्ण हो गई है। अमेरिका चाहे यूक्रेन पर दबाव बना रहा हो या कनाड़ा को राज्य के रुप में घोषित कर अमेरिका में मिलाने की छटपटाहट हो या अन्य देशों की और भ्रकुटी तानने या मेल मिलाप के प्रयास हो सब कुछ इस खनिज संपदा को लेकर ही है। आज चाइना की मोनोपोली देखने को मिल रही है उसका बड़ा कारण भी उसके पास रेयर अर्थ एलिमेंट सहित आज के बदलते युग की मांग को पूरी करने वाली पुरासंपदा के अथाह भण्डार के कारण ही है। ऐसे में वैसे तो दुनिया के देश खनि संपदा को लेकर गंभीर है वहीं हमारे देश में भी केन्द्र और राज्य सरकारें खनिज खोज, खनन और खनिज आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की कमर कस ली है। ऐसे में राजस्थान सरकार भी माइनिंग सेक्टर प्रोएक्टिव भूमिका निभाते हुए आगे आया है। वर्तमान सरकार खासतौर से मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को खनन क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। राजस्थान की सरकार द्वारा योजनाबद्ध प्रयासों के तहत प्रदेश में खनिज से जुड़े सभी पहलूओं के योजनाबद्ध क्रियान्वयन, समन्वय, प्रबंधन, प्रभावी मोनेटरिंग, एक्सप्लोरेशन, राजस्व, निवेश एवं रोजगार बढ़ोतरी, सस्टेनेबल माइनिंग, माइनिंग सेक्टर में देश दुनिया में हो रहे नवाचार और नवीनतम तकनीक और उसके प्रदेश में उपयोग सहित विभिन्न बिन्दुओं को लेकर विभाग द्वारा

उच्चस्तरीय परियोजना मोनेटरिंग इकाई (पीएमयू) का गठन किया है। माना जा रहा है कि प्रदेश में क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक खनिजों के साथ ही प्रधान व अप्रधान खनिजों के विपुल भण्डारों को देखते हुए पीएमयू के गठन से खनिज क्षेत्र को और अधिक गतिशील बनाया जाएगा। इससे खानें जल्दी परिचालन आने के साथ ही निवेश एवं रोजगार के अवसर बढेंगे। वैसे भी आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर की भूमिका में बड़ा बदलाव आने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रप्रति ट्रंप की छटपटाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है।

अमेरिका कभी कनाडा को अमेरिका का राज्य ही बनाने में जुटा है तो यूक्रेन की खनिज संपदा अपने नाम करवाने या रुस पर दबाव बनाने के पीछे धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा ही है। खनिज संपदा पर आज दुनिया के देशों की नजर है। चीन के वर्चस्व का बड़ा कारण उसका आरईई सहित खनिज संपदा पर एकाधिकार ही है और आज चीन के इस वर्चस्व को कम करने में ही जुटे हुए हैं। खैर यह विषयांतर होगा पर एक बात साफ है कि माइनिंग सेक्टर में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में तेजी से काम होने लगा है और राजथान ऑक्शन सहित रेवेन्यू अर्जन विकास दर आदि में अव्वल हो गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा माइनिंग सेक्टर में विपुल संभावनाओं को देखते हुए राजस्थान के माइनिंग सेक्टर को देश में अग्रणी राज्य बनाने पर जोर देते रहे हैं। नई खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति, रिप्स में सहायता प्रावधान, एमनेस्टी योजना सहित प्रक्रिया के सरलीकरण और खनन क्षेत्र विकास के महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं। पीएमयू के गठन के साथ ही खनन क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख गतिविधियों को 7 सेक्टरों में चिन्हित किया गया है।

प्रमुख सचिव माइन्स टी रविकान्त का मानना है कि सभी क्षेत्रों में समन्वित व तेजी से विकास के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को जोड़ते हुए पीएमयू का गठन किया गया है जिससे योजनाबद्ध तरीके से तेजी से आगे बढ़ा जा सके। एक्सप्लोरेशन, ऑक्शन, शीध्र परिचालन, रिसर्च एवं डव्लपमेंट, जीरो लॉस माइनिंग, इकोटूरिज्म की संभावनाओं, पेपरलेस सहित विभिन्न गतिविधियों का समावेश किया गया है। विभाग के वरिष्ठ व विशेषज्ञ अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है।

खनिज क्षेत्र से जुड़े 7 प्रमुख सेक्टरों में से पहले एक्सप्लोरेशन व ऑक्शन का बनाया गया है। इस दल द्वारा कोमोडिटी, मिनरल ग्रेड, खनन के प्रकार सहित विभिन्न बिन्दुओं पर कार्य करेगी। यह दल जीएसआई सहित तकनीकी विशेषज्ञों से समन्वय बनाते हुए एक्सप्लोरेशन से ऑक्शन आदि संबंधित कार्यों को और अधिक प्रभावी गति दी जा सकेगी। इसी तरह से ऑक्शन किये गये माइनर और मिनरल ब्लॉकों को जल्द से जल्द परिचालन में लाने के लिए संबंधित स्टेक होल्डर्स व खान विभाग सहित संबंधित विभागों से समन्वय बनाते हुए आवश्यक अनुमतियां दिलाने में सहयोग के साथ ही शीघ्र परिचालन में लाने का कार्य करेगी। विभाग का जोर खनन क्षेत्र में राजस्व बढ़ाने और राजस्व में किसी भी तरह की छीजत को रोकना भी है और इसके लिए एक दल को मोनेटरिंग सहित आवश्यक सभी जिम्मेदारियां दी गई है। डीएमएफटी के कार्य को गति देने और राशि के बेहतर उपयोग की मोनेटरिंग की जिम्मेदारी सौंपते हुए डीएमएफटी फण्ड के अन्य प्रदेशों में उपयोग को लेकर अध्ययन सहित योजना, क्रियान्वयन व मोनेटरिंग का फ्रेमवर्क तैयार करने को कहा गया है। राज्य सरकार का सस्टेनेबल माइनिंग पर जोर रहने के साथ ही बदलते परिवेश में यह आवश्यक भी हो गया है। सस्टेनेबल माइनिंग और ऑटोमेशन और तकनीक सेक्टर दल द्वारा स्टार रेंटिंग, बंद व कार्य नहीं कर रही खानों में इको टूरिज्म की संभावनाओं व क्रियान्वयन, डम्प ओवरवर्डन आदि के रिसाइक्लिनिंग व उपयोग, श्रेष्ठ कार्य करने वाली खानों को प्रोत्साहित करने के साथ ही विभागीय सिस्टम को नई तकनीक से जोड़ने और पेपरलेस करने की दिशा में कार्य दिया गया है। इसी तरह से खनिज क्षेत्र में शोध एवं विकास को बढ़ावा देने, अधिकारियों के रिओरियेंटेशन, खनन क्षेत्र से जुड़े स्टेक होल्डर्स व विभाग के बीच साझा मंच उपलब्ध कराने, देश दुनिया में तकनीक में आ रही बदलाव से रुबरु कराने सहित इस तरह के कार्यों के लिए कॉन्क्लेव, सेमिनार, संगोष्ठियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम की रुपरेखा व आयोजन का कार्य किया जाएगा। राज्य सरकार ने पीएमयू गठित कर जिम्मेदारी तय करने के साथ ही सरकार की ईच्छा शक्ति स्पष्ट कर दी है। अब पीएमयू टीम को जी जान से जुटते हुए माइनिंग के सभी क्षेत्रों में अग्रणी बनाने के लिए जुट जाना होगा। माइनिंग सेक्टर आज देश दुनिया में महत्वपूर्ण सेक्टर हो गया है। ऐसे में राजस्थान सरकार द्वारा प्रोएक्टिव रोल अपनाने की पहल निश्चित रुप से समय की मांग के अनुकूल है। केन्द्र सरकार भी गंभीर है और क्रिटिकल व स्ट्रेटेजिक खनिजों की नीलामी का काम तो केन्द्र सरकार ने अपने हाथों में ले लिया है। इसी तरह से केन्द्र सरकार ने मोनेटरिंग सिस्टम को मजबूत करने के साथ ही प्रोत्साहन के रुप में परफोरमेंस के आधार पर खानों की रेटिंग कर पुरस्कृत करने की पहल की है जिससे स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा को माहौल बना है। राजस्थान सरकार ने भी रेटिंग सिस्टम अरंभ करने की पहल की है।

## प्रेरणा

# क्रोध से उत्पन्न विनाश और धैर्य का अमर संदेश

प्राचीन काल में एक गुरुकुल था, जहाँ एक महान आचार्य अपने शिष्यों को न केवल वेद और शास्त्रों का ज्ञान देते थे, बल्कि जीवन की वास्तविक साधना — संयम और धैर्य — भी सिखाते थे। उनका कहना था कि जितना आवश्यक ज्ञान है, उससे कहीं अधिक आवश्यक है "स्वयं पर विजय।" वे कहा करते — "जो अपने मन और क्रोध को जीत लेता है, वही सच्चा विजेता है।"

एक दिन गुरु अपने शिष्यों के साथ नदी किनारे ध्यान कर रहे थे। तभी गाँव से भागते हुए कुछ लोग आए और चिल्लाने लगे — "गुरुदेव! गाँव में भारी हंगामा हो गया है, एक व्यापारी ने चोरी का झूठा इल्जाम लगाकर एक गरीब ब्राह्मण को पीटा है। लोग आपसे न्याय की विनती कर रहे हैं।" गुरु तुरंत गाँव पहुँचे। उन्होंने देखा कि ब्राह्मण रक्त से लथपथ पड़ा है और व्यापारी क्रोध में कांप रहा है।

गुरु ने व्यापारी से पूछा — "तुमने बिना प्रमाण के इस ब्राह्मण को क्यों मारा?" व्यापारी बोला — "मुझे गुस्सा आ गया था, गुरुदेव! मैंने सोचा इसने मेरे घर से वस्तु चुराई है।"

गुरु ने शांत स्वर में कहा — "जब क्रोध आता है, तब मनुष्य सोचता नहीं, केवल विनाश करता है। देखो, तुमने क्या कर दिया। जिस पर शक किया, वह निर्दोष निकला, और अब तुम्हारा अपना सम्मान, तुम्हारी आत्मा, दोनों घायल हो चुके हैं।"

व्यापारी रो पड़ा और बोला — "गुरुदेव, मैं उस क्षण में जैसे अंधा हो गया था।" गुरु बोले — "यही तो क्रोध की विशेषता है — यह पहले विवेक को खा जाता है, फिर व्यक्ति को दूसरों के लिए ही नहीं, अपने लिए भी संकट बना देता है।"

फिर गुरु ने अपने शिष्यों से कहा — "क्रोध किसी बाहरी शत्रु से भी अधिक भयावह है। बाहरी शत्रु केवल शरीर को हानि पहुँचाता है, पर क्रोध आत्मा की ज्योति को बुझा देता है। क्रोध में व्यक्ति अपना निर्णय खो देता है, वह सही और गलत में भेद नहीं कर पाता। जब मनुष्य अपने ही विवेक से दूर हो जाता है, तब उसका पतन निश्चित है।"

गुरु ने आगे कहा — "क्रोध का मूल भय है। जब हम किसी स्थिति से डरते हैं, तो भीतर एक आग उठती है — वही क्रोध का रूप ले लेती है। इसीलिए जो निडर है, जो परमात्मा पर विश्वास रखता है, उसे क्रोध छू भी नहीं सकता। भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि क्रोध नर्क का द्वार है, क्योंकि यह न केवल व्यक्ति को भस्म करता है, बल्कि उसके कर्मों और संबंधों को भी जला देता है।"

एक शिष्य ने पूछा — "गुरुदेव, यदि कभी किसी के अपमान से या अन्याय देखकर क्रोध आ ही जाए, तो क्या करें?" गुरु मुस्कुराए और बोले — "जैसे तूफान आने से पहले किसान अपने खेत में पेड़ों को बाँध देता है, वैसे ही मनुष्य को क्रोध आने से पहले अपने विचारों को बाँधना चाहिए। जब मन में तूफान उठे, तो एक पल मौन हो जाओ, आँखें बंद कर लो, गहरी श्वास लो। वह एक पल तुम्हें विनाश से बचा सकता है।"

फिर गुरु ने सभी शिष्यों से कहा — "स्मरण रखो, जब कोई तुम्हारा अपमान करे, तो उसके प्रति द्वेष मत रखना। वह तुम्हारे शरीर को दुख दे सकता है, पर आत्मा को नहीं। आत्मा अमर है, अविनाशी है। जो यह समझ लेता है, वह कभी क्रोध नहीं करता, क्योंकि उसे मालूम है कि जो उसे चोट पहुँचा रहा है, वह केवल एक अज्ञानी है। उसे दया की दृष्टि से देखो, न कि घृणा से।"

समय बीतता गया, और वही व्यापारी जो कभी अपने क्रोध से दूसरों को कष्ट देता था, अब विनम्र और दयालु बन गया। उसने अपने व्यापार में सत्य और संयम का मार्ग अपनाया और हर वर्ष गुरुकुल में दान देने आने लगा। वह कहता था — "मेरा जीवन तो उसी दिन बदल गया, जब गुरुदेव ने कहा — 'क्रोध और आंधी एक समान हैं, दोनों के शांत होने के बाद ही पता चलता है कि कितना विनाश हुआ।' अब मैंने सीखा है कि सच्चा बल क्रोध में नहीं, क्षमा में है।"

यह कथा आज भी हमें यह संदेश देती है कि क्रोध में किया गया कोई भी कार्य बुद्धि से नहीं, अंधकार से होता है। गुस्से की आग पहले दूसरों को नहीं, स्वयं को जलाती है। अतः जो व्यक्ति अपने क्रोध को साध लेता है, वही संसार को जीत लेता है।

सत्य यही है — "धैर्य में दिव्यता है, और क्रोध में विनाश।"

# वातावरण और पर्यावरण दिखावे से बचाव तक की यात्रा

बारिशें जब आशीर्वाद की तरह नहीं बल्कि कहर बनकर बरसती हैं, तो हमारी ज़िंदगी का असली चेहरा सामने आता है। शहरों की सड़कें, गलियाँ और नाले पानी से भर जाते हैं। प्रशासन पुराने ढर्रे में काम करता रहता है, ड्रेनेज सिस्टम अस्त-व्यस्त हो चुका होता है, और आम आदमी मजबूरन परेशान होकर रह जाता है। लोग अपने घरों में पानी भरे कमरों में फँस जाते हैं, गाड़ियों को धकेलते हैं और बच्चों को सुरक्षित स्थानों तक ले जाने की कोशिश करते हैं। इस बीच कई लोग, जिन्हें तैरना नहीं आता, अचानक ही तैराकी सीख जाते हैं, क्योंकि पानी की गहराई उन्हें मजबूर कर देती है। आपदा की इस स्थिति में अवसर खोजने वाले लोग हमेशा से मौजूद रहे हैं। आपदा में फायदा उठाने की परंपरा जीवन का हिस्सा बन गई है। शासन और प्रशासन बार-बार ज़िम्मेदार लोगों से अपील करता है, समाचार पत्र और सोशल मीडिया में चेतावनी दी जाती है, लेकिन समाज की प्रवृत्ति बदलती नहीं दिखती। "सामाजिक जानवर" यानी इंसान अक्सर अपने स्वार्थ और आराम के कारण पर्यावरण के प्रति लापरवाह रहता है। भाषण देने वाले बड़े आत्मविश्वास के साथ कहते हैं कि जंगल बचाकर और पेड़ लगाकर ही वातावरण और पर्यावरण सुरक्षित रखा जा सकता है। लेकिन उनकी यह बात अक्सर हवा में ही खो जाती है, क्योंकि लोग पहले जैसी सभ्यता नहीं दिखाते। आजकल पर्यावरण के लिए रैलियाँ और जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। लोग टी-शर्ट्स, दस्ताने, हरी टोपी और बड़े-बड़े बैनर लेकर इन आयोजनों में शामिल होते हैं। रैली के आयोजक इसे प्रतीकात्मक महत्त्व देते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि रैली में शामिल कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिन्होंने अवैध निर्माण कर पर्यावरण को नुकसान पहुँचाया हो। रैली के दौरान पानी की बोतलें, खाने-पीने के सामान और मौसमी फल जैसे सेब, केले आदि का भोग लगाना आम बात है। बहुत सारे पैसे सिर्फ दिखावे के लिए खर्च हो जाते हैं, लेकिन पर्यावरण को वास्तविक लाभ नहीं पहुँचता। हमारे समाज में यह बड़ी विचित्र स्थिति बन गई है कि लोग वातावरण और पर्यावरण को एक ही समझ लेते हैं। सभी जानते हैं कि पर्यावरण को बचाना आवश्यक है, परंतु किसी के व्यक्तिगत कर्तव्य की ओर ध्यान नहीं जाता। दूसरों से अपेक्षा करना आसान होता है, लेकिन स्वयं अपने हिस्से का योगदान देना मुश्किल लगता है। यही वजह है कि प्रदूषण, प्लास्टिक का अंधाधुंध उपयोग और जल संकट जैसी समस्याएँ लगातार बढ़ती जा रही हैं।

महिलाओं के पास इस मामले में विशेष भूमिका है। घर में प्लास्टिक कम करना, पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करना, और पौधों की देखभाल करना आसान कदम हैं। प्लास्टिक के फूलों की जगह वास्तविक इनडोर पौधे रखना, मिट्टी के गमलों में पौधे लगाना, और सामान लाने के लिए कपड़े के थैले का प्रयोग करना बेहद सरल लेकिन प्रभावशाली उपाय हैं। दुकानदार से पैक्ड वस्तुएँ सीधे थैले में लेना, या पांच 'R' — रियूज़, रिड्यूस, रिपेयर, रिसाइकिल और रिकवर — को अपनाना, जीवन के पांच तत्वों — आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी — को सुरक्षित रखने की दिशा में बड़ा योगदान है।

लेकिन असली चुनौती यह है कि यह आसान उपाय भी अक्सर कठिन लगते हैं। लोग अपने दैनिक जीवन की आदतों में बदलाव करने के बजाय दिखावे और बहानों का सहारा लेते हैं। आरामदायक बैठकों, लंबी रैलियों और बैनर मार्चों के माध्यम से वे पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का भ्रम पालते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि पर्यावरण संरक्षण दिखावे का विषय नहीं है, यह हमारी रोजमर्रा की आदतों और छोटे-छोटे कर्मों का परिणाम है।

जब लोग यह समझेंगे कि उनके छोटे-छोटे कदम — पानी बचाना, प्लास्टिक कम करना, पौधे लगाना और उनके संरक्षण में सक्रिय होना — वास्तव में पर्यावरण की रक्षा में अहम भूमिका निभाते हैं, तभी हमारी बारिश, बाढ़ या गर्मी जैसी आपदाओं में होने वाले नुकसान को कम किया जा सकेगा। आसान उपायों में ही स्थायी समाधान छिपा है। असल में, पर्यावरण और वातावरण की सुरक्षा सिर्फ बड़े-बड़े नारे लगाने या रैलियाँ करने से नहीं होती। यह तब होती है जब हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी को समझे, अपने घर से शुरुआत करे और छोटे कदम उठाकर समाज में बदलाव लाने की कोशिश करे। अगर हम दिखावे के बजाय वास्तविक कर्म करें, तो पर्यावरण बचाना केवल सपना नहीं रहेगा, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और हरित भारत का आधार बनेगा।

## अभियान

# सिद्ध मंत्र की शक्ति से राजा की मदिरा लत का अंत

बहुत समय पहले एक विशाल राज्य में एक राजा राज्य करता था। उसका शासन प्रजा के लिए वरदान माना जाता था, परंतु धीरे-धीरे राजा एक ऐसी आदत में फँस गया जिसने उसके जीवन और राज्य दोनों को अंधकार में ढकेल दिया — यह थी मदिरापान की बुरी लत। आरंभ में वह केवल उत्सवों या शिकार के अवसर पर मदिरा पीता था, परंतु धीरे-धीरे उसका मन उससे बंधता गया। अब वह बिना मदिरा पिए रह ही नहीं सकता था। जैसे ही सूर्य ढलता, उसके महल में मदिरा के बड़े-बड़े प्याले सजाए जाते। राजा पीता, और उसके दरबारी उसकी खुशामद के लिए उससे भी अधिक पीकर राजा की प्रसन्नता अर्जित करने का प्रयत्न करते।

यह देखकर दरबार के पुरोहित, ऋषि, विद्वान और धर्माचार्य अत्यंत दुखी हुए। वे समझते थे कि राजा के इस दुर्व्यसन से न केवल उसका स्वास्थ्य और विवेक नष्ट हो रहा है, बल्कि पूरा राज्य भी पतन की ओर जा रहा है। अनेक बार उन्होंने राजा को उपदेश दिया— धर्म का, संयम का, स्वास्थ्य का, किंतु जब किसी को अपने विषय में दोष सुनने की आदत नहीं होती, तब उपदेश अग्नि में घी डालने जैसा बन जाता है। यही हुआ। राजा ने एक दिन क्रोध में आकर उन सभी विद्वानों, उपदेशकों और धर्माचार्यों को पकड़कर जेल में डाल दिया। उसने ऐलान किया कि अब से जो भी मदिरा के दोष बताएगा, उसे आजीवन कारावास भोगना पड़ेगा।

अब राज्य में भय व्याप्त हो गया। कोई किसी से कुछ कहने की हिम्मत नहीं करता। दरबार में जो बात होती, वही कानून बन जाती। धीरे-धीरे प्रजा असंतुष्ट होने लगी, प्रशासन अस्त-व्यस्त हो गया और राज्य में अनाचार, अपराध तथा पीड़ा बढ़ने लगी। ठीक उसी समय एक दिन एक सिद्ध महात्मा उस राज्य में पधारे। उन्होंने देखा कि राजधानी के मार्गों पर नशे में झूमते सैनिक और अधिकारी दिखाई दे रहे हैं, और धर्म की भावना विलुप्त हो चुकी है। महात्मा को ज्ञात हो गया कि जब तक इस राज्य के राजा का चित्त शुद्ध नहीं होगा, तब तक किसी का कल्याण नहीं हो सकता।

महात्मा ने अपनी दिव्य दृष्टि से सब जान लिया और एक अद्भुत उपाय सोचा। अगले दिन वे राजधानी के मुख्य चौक पर खड़े हो गए और ऊँचे स्वर में कहने लगे — "मद्यपान के गुणों की मैं आज व्याख्या करूँगा! आओ सुनो, कैसे मदिरा जीवन को आनंदमय बनाती है।" यह सुनकर सभी लोग आश्चर्यचकित रह गए, क्योंकि अब तक किसी ने सार्वजनिक रूप से मदिरा की प्रशंसा करने का साहस नहीं किया था। यह समाचार पलभर में राजमहल तक पहुँचा। राजा को जब पता चला कि कोई बाहरी महात्मा मदिरापान के गुण बता रहा है और कल वह मदिरा पीने की 'सुरक्षित विधि' भी सिखाने वाला है, तो राजा का हृदय प्रसन्न हो उठा। वह सोचने लगा कि अब कोई महात्मा उसके पक्ष में भी तो बोले!

अगले दिन राजा स्वयं अपने परिवार और मंत्रियों सहित उस महात्मा के चरणों में पहुँचा और विनम्र होकर कहा — "महाराज! कल का आपका व्याख्यान हमारे राजदरबार में हो, ताकि पूरी प्रजा आपके उपदेश से लाभान्वित हो।" महात्मा मुस्कुराए और बोले — "राजन! जैसा आपकी इच्छा।"

दूसरे दिन राजमहल में महात्मा का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। सभी दरबारी, रानियाँ, सैनिक और प्रमुख नागरिक उपस्थित हुए। महात्मा ने कहा — "मद्यपान में दोष नहीं है, दोष तो मनुष्य की अज्ञानता में है। जैसे विष में भी औषधि छिपी होती है, वैसे ही यदि मदिरा को शुद्ध कर लिया जाए तो वह हानिकर नहीं रहती।" यह सुनकर राजा बड़ा प्रसन्न हुआ। वह उत्सुक होकर बोला — "महाराज! कृपा करके वह शुद्ध करने की विधि बताइए जिससे हम भी सही रीति से मदिरा पान कर सकें।"

महात्मा ने गंभीर स्वर में कहा — "राजन! मदिरा शुद्ध तभी होती है जब उस पर एक सिद्ध मंत्र का प्रभाव पड़े। इसके लिए स्फटिक की माला पर चौबीस लाख बार उस मंत्र का जप करना आवश्यक है। जब माला सिद्ध हो जाए, तो उसके प्रत्येक दाने में वह शक्ति संचित रहती है। तब उस माला का एक दाना प्याले में डालकर मदिरा उड़ेलनी चाहिए। यदि दाना बीच में डूब जाए तो समझो कि वह शुद्ध हो गई। रोज एक नया दाना डालना चाहिए। जब सौ आठ दाने हो जाएँ, तब वह मदिरा पूर्ण रूप से शुद्ध कही जाएगी।"

राजा ने माथे पर हाथ रख लिया। वह बोला — "महाराज! यह तो बहुत लंबा उपाय है। चौबीस लाख मंत्र जप तो महीनों क्या, वर्षों में पूरे होंगे। तब तक मैं क्या करूँ? मैं तो एक दिन भी मदिरा के बिना नहीं रह सकता।"

महात्मा ने शांत मुस्कान से अपनी स्फटिक माला गले से उतारी और बोले — "राजन! जब तक तुम्हारी माला सिद्ध न हो, तब तक मेरी इस माला से काम चलाओ।"

राजा ने प्रसन्नता से माला ले ली। उसी दिन उसने महात्मा के कहे अनुसार प्याले में एक दाना डालकर मदिरा पी। अगले दिन से उसने स्वयं मंत्र-जप आरंभ किया, क्योंकि उसे अपनी माला तैयार करनी थी। आरंभ में तो वह केवल विधि निभा रहा था, परंतु धीरे-धीरे उस जप में उसे एक अद्भुत शांति अनुभव होने लगी। जैसे-जैसे दाने बढ़ते गए, वैसे-वैसे उसका मन मदिरा से घटकर जप की ओर बढ़ता गया।

एक दिन, जब लगभग सत्तर दाने प्याले में एकत्र हो चुके थे, तो अचानक उसके भीतर से एक विचार उठा — "यह क्या कर रहा हूँ मैं? इस मंत्र-जप में जो आनंद है, वह मदिरा में कहाँ! यह तो आत्मा को नशे में भर देने वाला अमृत है।" यह विचार जैसे ही आया, राजा ने प्याला उठाकर ज़मीन पर पटक दिया। उसने दरबार में घोषणा कर दी — "आज से राज्य में मदिरा पान पूर्णतः निषिद्ध है। जो भी मदिरा रखेगा, वह धर्मद्रोही माना जाएगा।" उसने आदेश दिया कि सभी मदिरा के मटके नगर के गंदे नालों में बहा दिए जाएँ।

इसके बाद उसने जेल में बंद सभी धर्माचार्यों, पुरोहितों और विद्वानों को मुक्त किया और उनसे क्षमा माँगी। उसने महात्मा के चरणों में जाकर कहा — "महाराज! आपने मुझे केवल मदिरा से नहीं, मेरे अंधकार से भी मुक्त कर दिया।"

महात्मा मुस्कुराए और बोले — "राजन! मैंने कुछ नहीं किया। मंत्र ने तुम्हारे भीतर के सत्व को जागृत कर दिया है। अब वही तुम्हारा सच्चा मार्गदर्शक है।"

उस दिन से वह राजा धर्मप्रिय, न्यायप्रिय और योगाभिलाषी बन गया। राज्य में पुनः शांति और समृद्धि लौट आई। प्रजा महात्मा के इस अद्भुत उपाय की चर्चा वर्षों तक करती रही।

यह कथा यह सिखाती है कि किसी की बुरी आदत केवल उपदेश से नहीं जाती, बल्कि जब उसे उससे भी ऊँचा आनंद मिल जाता है, तभी उसका मोह समाप्त होता है। महात्मा ने राजा की लत को नकारा नहीं, उसे रूपांतरित कर दिया। उन्होंने उसे दिखाया कि सच्चा नशा ईश्वर-स्मरण में है, न कि इंद्रियों के विषयों में।

RNI No. GJHIN/25/A2786 Printed, Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002
and Published from B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424. Editor : JIGNESHKUMAR PATHABHAI VAGHELA

विकास सप्ताह : 13 अक्टूबर, शहरी विकास दिवस

# प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शहरी गरीबों को दिए पक्के मकान, हर चेहरे पर खिल उठी मुस्कान

**▸▸प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत राज्य में 9.09 लाख से अधिक घरों का निर्माण पूर्ण**

**▸▸प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के सफल कार्यान्वयन के लिए गुजरात को अब तक कुल 14 अवॉर्ड मिले**

**(जीएनएस)।** गांधीनगर : 7 अक्टूबर, 2025 को देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 24 वर्ष पूरे हो गए हैं। विकास के इस ऐतिहासिक अवसर का जश्न मनाने के लिए हर साल 7 से 15 अक्टूबर के दौरान विकास सप्ताह मनाया जाएगा। इसके अंतर्गत 12 और 13 अक्टूबर शहरी विकास दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान 2005 में शहरी विकास वर्ष मनाकर योजनाबद्ध शहरी विकास की आधारशिला रखी थी।

आज मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात शहरीकरण की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। विश्वस्तरीय शहरी विकास की रफ्तार को तेज करने के लिए राज्य सरकार ने वर्ष 2025 को 'शहरी विकास वर्ष' के रूप में मनाने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के शहरी क्षेत्रों में रहने वाले गरीब और निचले मध्यम वर्ग के परिवारों को उनके सपनों का घर प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) जैसी अहम योजना क्रियान्वित की है और आज, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात इस योजना के कार्यान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है।

**शहरी गरीबों को मिला उनके सपनों का घर, 9.09 लाख से अधिक घरों का हुआ निर्माण**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का दृढ़ विश्वास है कि शहरी विकास केवल अवसंरचना विकास ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का एक मार्ग भी है। इस ध्येय को सार्थक करते हुए उन्होंने 2015 में शहरी क्षेत्र के गरीबों को आवास सुविधा मुहैया कराने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री की इस योजना से करोड़ों लोगों को उनके सपनों का घर मिला और उनके चेहरों पर मुस्कान खिली। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत राज्य में 9.09 लाख से अधिक आवासों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जो एक उल्लेखनीय सफलता है।

**प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन में गुजरात अग्रणी**

गुजरात प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन के मामले में देश का अग्रणी राज्य है। पीएमएवाई (शहरी) के क्रेडिट लिंक सब्सिडी घटक के तहत 6 लाख से अधिक लाभार्थियों को उनके पहले आवास पर लिए गए होम लोन पर ब्याज सहायता का लाभ प्रदान करने में गुजरात देश के अन्य राज्यों की तुलना में अग्रणी स्थान पर है।

इसके अलावा, केंद्र सरकार ने वर्ष 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स योजना (एआरएचसी) के तहत शहरी गरीबों और कामगारों को किफायती किराए का घर प्रदान करने की घोषणा की थी। इस घोषणा के तीन महीने के भीतर ही गुजरात, सूरत शहर के सूरत शहरी विकास प्राधिकरण (सूडा) क्षेत्र में निर्मित 393 आवासों को मॉडल-01 के अंतर्गत किराए के मकानों में रूपांतरित कर प्रोजेक्ट की मंजूरी प्राप्त करने वाला देश का पहला राज्य बना है।

ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलॉजी-इंडिया के लाइट हाउस प्रोजेक्ट के लिए केंद्र सरकार द्वारा देश भर में चयनित छह राज्यों में से गुजरात का राजकोट शहर एक था। राजकोट में लाइट हाउस प्रोजेक्ट के अंतर्गत मोनोलिथिक कंक्रीट कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी का उपयोग कर ईडब्ल्यूएस-2 श्रेणी के कुल 39.77 वर्ग मीटर कार्पेट एरिया वाले कुल 1144 आवासों का निर्माण किया गया है।

**पीएमएवाई (शहरी) के लिए गुजरात को अब तक मिले कुल 14 अवॉर्ड**

केंद्र सरकार ने वर्ष 2017 में गुजरात को क्रेडिट लिंक सब्सिडी के अंतर्गत प्रथम स्थान के लिए सम्मानित किया था। इसके बाद वर्ष 2019 में केंद्र सरकार द्वारा गुजरात को पीएम आवास योजना के लिए 3 अवॉर्ड प्रदान किए गए। साथ ही, लाभार्थी-आधारित निर्माण (बीएलसी) घटक के अंतर्गत गुजरात राज्य के 3 लाभार्थियों को बेस्ट हाउस कंस्ट्रक्शन श्रेणी में अवॉर्ड दिए गए। बाद में, 2022 में केंद्र सरकार ने गुजरात को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लिए 7 विभिन्न श्रेणियों में अवॉर्ड प्रदान किए। इस प्रकार, केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत गुजरात को अब तक कुल 14 अवॉर्ड प्रदान किए गए हैं।

**प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0**

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की सफलता के बाद सितंबर-2024 से प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 हाउसिंग फॉर ऑल मिशन की घोषणा की गई थी। यह देश भर में आगामी 5 वर्षों में (2024-2029) 1 करोड़ पक्के मकान बनाने की योजना है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत लोग अफोर्डेबल हाउसिंग इन पार्टनरशिप (एएचपी), लाभार्थी-आधारित निर्माण (बीएलसी), ब्याज सब्सिडी योजना (आईएसएस), अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग (एआरएच) घटकों के तहत लाभ उठा सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत राज्य में कुल 29,821 आवास मंजूर किए गए हैं।

# नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने 'संडे ऑन साइकिल' के 44वें संस्करण का किया शुभारंभ, देशभर में फिटनेस की नई लहर

नई दिल्ली रविवार सुबह एक अनोखी और ऊर्जावान पहल का केंद्र बनी, जब केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने राजधानी में आयोजित 'संडे ऑन साइकिल' के 44वें संस्करण का नेतृत्व किया। यह पहल नागरिकों के बीच फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली और निवारक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई है और अब यह देशभर में एक जनांदोलन का रूप ले चुकी है।

इस बार के आयोजन में खास बात यह रही कि इसमें बड़ी संख्या में डॉक्टरों और स्वास्थ्य पेशेवरों ने भाग लिया। उन्होंने नागरिकों को संदेश दिया कि मोटापा, डायबिटीज, और हृदय रोग जैसी जीवनशैली संबंधी बीमारियों से बचाव के लिए साइकिल चलाना और नियमित व्यायाम अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम में सभी आयु वर्ग के लोगों ने भाग लिया और साइकिल राइड का आनंद लिया। इस अवसर पर विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पदक विजेता प्रवीण कुमार, सोमन राणा और शैलेश कुमार भी उपस्थित रहे। डॉ. मांडविया ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा, "कोविड के कठिन समय में मैंने चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की निष्ठा और समर्पण को बहुत करीब से देखा। राष्ट्र के प्रति उनका योगदान अमूल्य है। जब डॉक्टर स्वस्थ जीवन का संदेश देते हैं, तो समाज उस पर विश्वास करता है। यही कारण है कि हम 'संडे ऑन साइकिल' के माध्यम से जनता को स्वास्थ्य और फिटनेस की दिशा में प्रेरित करना चाहते हैं।"

कार्यक्रम में डॉ. मांडविया ने यह भी कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मस्तिष्क ही एक सशक्त राष्ट्र की नींव हैं। साइकिल चलाना एक सरल, सस्ता और प्रभावी व्यायाम है, जिसे हर नागरिक अपना सकता है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे फिटनेस से जुड़ी गतिविधियों में स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करें और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ाएं।

खेल मंत्रालय के अनुसार, 'संडे ऑन साइकिल' अब तक पूरे भारत के 10,000 से अधिक स्थानों पर आयोजित किया जा चुका है, जिसमें लाखों नागरिकों ने हिस्सा लिया है। यह अभियान अब केवल साइकिल चलाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय फिटनेस मूवमेंट बन गया है।

इस अवसर पर पैरा एथलीट प्रवीण कुमार ने कहा, "नियमित व्यायाम से व्यक्ति का ध्यान केंद्रित रहता है और वह मानसिक रूप से मजबूत बनता है। साइकिल चलाना इसका सबसे अच्छा तरीका है। मैं इस कार्यक्रम से जुड़कर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।"

वहीं शैलेश कुमार ने कहा, "सरकार का यह प्रयास सराहनीय है। हमें रोजाना कम से कम एक घंटा अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए देना चाहिए। जनता का उत्साह देखकर स्पष्ट है कि फिटनेस अब लोगों की प्राथमिकता बन चुकी है।"

कार्यक्रम के अंत में डॉ. मांडविया ने कहा कि 'संडे ऑन साइकिल' केवल फिटनेस का प्रतीक नहीं, बल्कि यह सकारात्मक सोच, सामूहिक भागीदारी और स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता का प्रतीक बन चुका है। इस पहल ने दिखाया है कि जब नागरिक, चिकित्सक और खिलाड़ी एक साथ स्वस्थ भारत के लिए कदम बढ़ाते हैं, तो देश की ऊर्जा और आत्मविश्वास दोनों नए शिखर छूते हैं।

# ईडी ने फेमा उल्लंघन मामले में फ्लिपकार्ट को दी कंपाउंडिंग की पेशकश, जुर्माना भरकर निपटा सकती है मामला

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों में से एक फ्लिपकार्ट एक बार फिर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के घेरे में है। ईडी ने फ्लिपकार्ट को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन से जुड़े मामले में कंपाउंडिंग प्रक्रिया का विकल्प दिया है, जिसके तहत कंपनी जुर्माना अदा कर और अपनी गलती स्वीकार कर मामला बंद कर सकती है। यह प्रस्ताव कंपनियों को लंबी जांच और कानूनी कार्रवाई से राहत देने की दिशा में उठाया गया एक अहम कदम माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, ईडी ने फ्लिपकार्ट से स्पष्ट कहा है कि यदि वह अपनी गलती स्वीकार करती है और जुर्माना भरती है, तो यह मामला कंपाउंडिंग नियमों के तहत निपटाया जा सकता है। इसके साथ ही ईडी ने कंपनी को यह भी निर्देश दिया है कि वह इस मामले से जुड़े अपने विक्रेता नेटवर्क को समाप्त करे, जो कथित रूप से नियमों का उल्लंघन कर रहा था। फ्लिपकार्ट को भेजे गए इस संबंध में ईमेल पर कंपनी की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

फ्लिपकार्ट के साथ-साथ अमेजन इंडिया को भी इस मुद्दे पर ईडी ने तलब किया था। अमेजन के प्रवक्ता ने कहा कि वे चल रही जांच पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते, जबकि ईडी को भेजे गए अन्य सवालों के जवाब भी फिलहाल लंबित हैं।

इस मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि ईडी की यह कार्रवाई न केवल भारतीय ई-कॉमर्स सेक्टर की पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक प्रयास है, बल्कि विदेशी निवेशकों को यह संदेश देने के लिए भी है कि भारत में कानून व्यवस्था का पालन अनिवार्य है।

एक वरिष्ठ ई-कॉमर्स अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह कदम भारत और अमेरिका के बीच चल रही द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, "कंपाउंडिंग की व्यवस्था से कंपनियों को कानूनी कार्रवाई की लंबी प्रक्रिया से राहत मिलती है और वे फेमा उल्लंघन स्वीकार कर जुर्माना देकर मामला निपटा सकती हैं। इससे व्यापारिक माहौल स्थिर और पारदर्शी बनता है।"

फेमा कानून के तहत कंपाउंडिंग एक वैधानिक प्रक्रिया है, जिसमें किसी संस्था द्वारा किए गए उल्लंघन को स्वीकार कर जुर्माना भरने के बाद मामला समाप्त कर दिया जाता है। यह व्यवस्था कंपनियों को मुकदमेबाजी से बचाने के साथ-साथ सरकार को जुर्माने के रूप में आर्थिक दंड प्राप्त करने की अनुमति देती है। ईडी की जांच में यह सामने आया था कि फ्लिपकार्ट और अमेजन इंडिया दोनों कंपनियों ने अपने प्लेटफॉर्म पर विक्रेताओं को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए विदेशी निवेश के नियमों का उल्लंघन किया। इन कंपनियों पर आरोप है कि उन्होंने अपने नियंत्रित विक्रेताओं के माध्यम से प्लेटफॉर्म पर अप्रत्यक्ष रूप से स्व-व्यापार (self-dealing) किया और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के कई प्रावधानों का उल्लंघन किया।

# जयपुर में हनीट्रैप गैंग का पर्दाफाश, अमीर लोगों को फंसा कर अश्लील वीडियो से करते थे ब्लैकमेल

जयपुर में मालवीय नगर थाना पुलिस ने एक बड़े हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो शहर में लंबे समय से सक्रिय था और अमीर लोगों को अपने जाल में फंसाकर उनसे मोटी रकम वसूलता था। पुलिस ने इस गिरोह के मुख्य सरगना और उसकी महिला साथी को गिरफ्तार किया है, जबकि दो अन्य महिला आरोपी अभी फरार हैं। यह कार्रवाई जयपुर पुलिस की हालिया बड़ी उपलब्धियों में गिनी जा रही है, जिसने कई लोगों को ठगी और सामाजिक बदनामी के जाल से बचाया है।

एसीपी (मालवीय नगर) आदित्य पूनिया ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में मुकेश कुमार बागड़ा (36 वर्ष) निवासी महावीर नगर और नीतू सोनी (39 वर्ष) निवासी कनकपुरा फाटक, करणी विहार शामिल हैं। वहीं, गिरोह से जुड़ी आरती शर्मा और दिव्या सोलंकी नामक दो महिलाएं फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। थानाधिकारी पूनम चौधरी ने बताया कि मुख्य आरोपी मुकेश ने नीतू के साथ मिलकर एक कॉलगर्ल नेटवर्क तैयार किया था, जिसके जरिए वे पैसे वाले और प्रभावशाली लोगों को फंसाने की साजिश रचते थे। गिरोह का मुख्य ठिकाना महावीर नगर, दुर्गापुरा और करणी विहार क्षेत्र में स्थित किराए के मकान थे, जहां से यह गिरोह संचालित होता था।

पुलिस के अनुसार, गिरोह पहले अपने टारगेट का चयन बहुत सोच-समझकर करता था। वे सोशल मीडिया या व्यावसायिक नेटवर्किंग के माध्यम से ऐसे लोगों की पहचान करते थे जो धनवान हों और जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा हो। इसके बाद गिरोह के सदस्य पहले दोस्ती करते, फिर उन्हें अपनी महिला सदस्यों से फोन पर बातचीत करवाते। धीरे-धीरे बातचीत का सिलसिला बढ़ाया जाता और फिर किसी होटल या फ्लैट में मुलाकात तय की जाती। मुलाकात के दौरान कमरे में गुप्त रूप से कैमरे लगाए जाते, जिनसे अश्लील फोटो और वीडियो रिकॉर्ड किए जाते थे। इसके बाद उन्हीं वीडियो और तस्वीरों को दिखाकर पीड़ितों को ब्लैकमेल किया जाता और उनसे लाखों रुपये वसूले जाते। कई बार ये गिरोह पीड़ितों की बदनामी के डर का फायदा उठाकर उन्हें दोबारा-तीसरी बार भी पैसों के लिए धमकाता था।

पुलिस की इस कार्रवाई में कांस्टेबल रामवतार और भरतलाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनकी सतर्कता और सूचना के आधार पर यह गिरोह पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन, लैपटॉप और कैमरा उपकरण जब्त किए हैं, जिनमें कई संदिग्ध वीडियो और फोटो मिलने की संभावना है।

फिलहाल पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है और यह जांच कर रही है कि इस गिरोह के तार अन्य शहरों या राज्यों से तो नहीं जुड़े हैं। यह मामला जयपुर में बढ़ती ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग और सोशल ट्रैपिंग अपराधों पर पुलिस की सख्त निगरानी का एक बड़ा उदाहरण बन गया है।

# बेंगलुरु में दर्दनाक घटना: प्रेमी ने पेट्रोल डालकर खुद को लगाई आग, प्रेमिका की दम घुटने से मौत, एक प्रेम कहानी बनी त्रासदी

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में शनिवार को एक दिल दहला देने वाली घटना ने लोगों को स्तब्ध कर दिया। येलहनका न्यू टाउन स्थित एक लॉज में प्रेमी ने झगड़े के दौरान अपने ऊपर पेट्रोल डालकर खुद को आग लगा ली, जिससे उसकी मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई। इस हादसे में प्रेमिका की भी धुएं से दम घुटने के कारण मौत हो गई। यह घटना न केवल भयावह थी, बल्कि यह एक ऐसी प्रेम कहानी की दुखद परिणति थी जो सामाजिक बंधनों और गलत निर्णयों की आग में जलकर राख हो गई।

यह हादसा येलहनका के एक छोटे से होटल 'कूल कम्फर्ट लॉज' में हुआ। लॉज के कमरे में रमेश नामक व्यक्ति अपनी प्रेमिका कावेरी के साथ ठहरा हुआ था। जब कमरे से धुआं उठता देखा गया तो होटल मालिक ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। जब पुलिस और फायर ब्रिगेड ने कमरे का शीशा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, तब तक रमेश की जिंदा जलकर मौत हो चुकी थी, जबकि कावेरी बाथरूम में बेहोश पाई गई, जिसका अस्पताल पहुंचते ही दम घुटने से निधन हो गया।

पुलिस जांच में जो सच्चाई सामने आई, वह और भी दुखद थी। कावेरी पहले से शादीशुदा थी और तीन बच्चों की मां थी। वह रमेश के साथ पिछले कुछ समय से प्रेम संबंध में थी। बताया जा रहा है कि कावेरी अपने परिवार और बच्चों के कारण रमेश से दूरी बनाना चाहती थी, लेकिन रमेश इस संबंध को खत्म करने के पक्ष में नहीं था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच लगातार झगड़े हो रहे थे। करीब एक हफ्ते पहले दोनों ने झगड़े को सुलझाने के लिए येलहनका के इसी लॉज में रुकने का निर्णय लिया था। कुछ दिन तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन शुक्रवार सुबह फिर विवाद बढ़ गया। गुस्से में रमेश लॉज से बाहर निकला और पास के पेट्रोल पंप से पेट्रोल से भरी बोतल लेकर लौट आया। कमरे में लौटने के बाद दोनों के बीच दोबारा तीखी बहस हुई और गुस्से में रमेश ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर खुद को आग लगा ली। जब रमेश ने खुद को आग लगाई, उस समय कमरे में कावेरी के साथ उसका चाचा का लड़का प्रशांत भी मौजूद था। उसने पुलिस को बताया कि उसने कावेरी से कमरे से भागने के लिए कहा, लेकिन घबराहट में कावेरी बाथरूम में जाकर खुद को अंदर से बंद कर ली। उसने वहां से अपने स्पा मालिक को फोन कर मदद मांगी, लेकिन तब तक कमरे में धुआं भर चुका था। दमकल विभाग जब तक पहुंचा, तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।

पुलिस के अनुसार, कावेरी हुनागुंडा की रहने वाली थी और बेंगलुरु में एक स्पा में काम करती थी, जबकि रमेश गडग जिले का निवासी था और प्राइवेट जॉब करता था। दोनों के बीच पिछले कई महीनों से संबंध थे, लेकिन समाज और परिवार के डर से कावेरी इस रिश्ते को समाप्त करना चाहती थी।

घटना स्थल से पुलिस को एक पेट्रोल की बोतल, माचिस और कुछ जले हुए कपड़े मिले हैं। फिलहाल पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

यह हादसा एक गहरी सामाजिक विडंबना को उजागर करता है—जहां भावनात्मक आवेश, असफल प्रेम और सामाजिक दबाव इंसानों को ऐसे कदम उठाने पर मजबूर कर देते हैं जो न केवल दो जीवन, बल्कि कई परिवारों को तबाह कर देते हैं। बेंगलुरु की यह घटना याद दिलाती है कि प्रेम, यदि विवेक और संवाद से न संभाला जाए, तो वह आग की तरह सब कुछ जला सकता है।

# प्रेस्टीज ग्रुप ने गाजियाबाद में 2,200 करोड़ रुपये मूल्य के 620 घरों की बिक्री शुरू की

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लि. ने गाजियाबाद में 620 फ्लैटों की बिक्री शुरू कर दी है, जिससे कंपनी को लगभग 2,200 करोड़ रुपये के अनुमानित राजस्व की उम्मीद है। यह पहल प्रीमियम आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग के बीच अपने व्यापार का विस्तार करने की कंपनी की रणनीति का हिस्सा है। इस वर्ष अप्रैल में बेंगलुरु की प्रेस्टीज एस्टेट्स ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में 62.5 एकड़ में फैली टाउनशिप परियोजना शुरू करके दिल्ली-एनसीआर बाजार में प्रवेश किया था। अपनी टाउनशिप परियोजना 'द प्रेस्टीज सिटी, इंदिरापुरम' के पहले चरण में प्रेस्टीज एस्टेट्स ने ओकवुड और मलबरी नामक दो आवासीय परियोजनाएं शुरू की थीं, जिनमें 3,421 इकाइयां शामिल थीं, जिनका कुल बिक्री मूल्य लगभग 9,000 करोड़ रुपये था। कंपनी ने पहले चरण में पेश की गई लगभग सभी इकाइयां बेच दी हैं और अब दूसरे चरण 'मेफ्लावर' को पेश किया है, जिसमें 620 इकाइयां शामिल हैं। प्रेस्टीज ग्रुप के वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष (आवासीय), प्रवीर श्रीवास्तव ने कहा कि इस नए चरण का कुल अनुमानित सकल विकास मूल्य (जीडीवी) लगभग 2,200 करोड़ रुपये है। यह टाउनशिप राष्ट्रीय राजमार्ग 24 पर इंदिरापुरम एक्सटेंशन में 62.5 एकड़ में फैली हुई है।

# अमित शाह करेंगे जयपुर में राज्य स्तरीय प्रदर्शनी और 4 लाख करोड़ के निवेश की ग्राउंड ब्रेकिंग, राजस्थान बनेगा विकास का नया केंद्र

जयपुर आज एक ऐतिहासिक आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सोमवार को अपने एक दिवसीय दौरे पर राजस्थान की राजधानी जयपुर पहुंच रहे हैं, जहां वे सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (JECC) में आयोजित राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ करेंगे। यह आयोजन न केवल कानून व्यवस्था की नई दिशा को दर्शाएगा, बल्कि राजस्थान में औद्योगिक और सामाजिक विकास की नई कहानी भी लिखेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को आयोजन स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यह प्रदर्शनी 13 से 18 अक्टूबर तक आयोजित होगी, जो देश में लागू हुए नए आपराधिक कानूनों — भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) — के सफल एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में की जा रही है। इस प्रदर्शनी की थीम है 'नव विधान – न्याय की नई पहचान', जो कानून व्यवस्था में पारदर्शिता, तकनीकी उन्नति और जनता की भागीदारी को नए स्वरूप में प्रस्तुत करेगी।

अमित शाह इस अवसर पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत प्राप्त निवेश प्रस्तावों में से 4 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग करेंगे। यह राजस्थान की औद्योगिक प्रगति में एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जिससे हजारों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलेंगे और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही शाह 9,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण भी करेंगे।

सरकार की लोकहितकारी योजनाओं के अंतर्गत शाह विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म के लिए 260 करोड़ रुपये और दुग्ध उत्पादकों को दूध सब्सिडी के 364 करोड़ रुपये की राशि का ऑनलाइन हस्तांतरण करेंगे। इसके अलावा 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना के तहत रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया का शुभारंभ भी किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान एफएसएल वाहनों, महिला सुरक्षा पेट्रोलिंग स्कूटी और मोटरसाइकिलों का फ्लैग ऑफ भी किया जाएगा, जो राज्य में सुरक्षा और त्वरित जांच व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाएगा।

यह प्रदर्शनी पूरी तरह डिजिटल और इंटरएक्टिव होगी, जिसमें नागरिकों को नए कानूनों की संरचना, उनके अधिकारों और न्याय प्रक्रिया की आधुनिक प्रणाली को समझाने के लिए विशेष मॉडल, वीडियो और सिमुलेशन प्रस्तुत किए जाएंगे। यह पहल जनता को न्याय व्यवस्था से जोड़ने और कानून की भाषा को सरल बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

छह दिनों तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में हर दिन एक विशेष विषय पर कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें पुलिस प्रशासन, कानूनविद, फॉरेंसिक विशेषज्ञ और सामाजिक संस्थाएं भाग लेंगी।

13 अक्टूबर को पुलिस कार्य में तकनीकी नवाचारों पर चर्चा होगी।

14 अक्टूबर को फॉरेंसिक विज्ञान और उसके उपयोग पर विशेष सत्र रखा गया है।

15 अक्टूबर को जेल प्रशासन से जुड़े सुधारों और मानवाधिकारों पर विमर्श होगा।

16 अक्टूबर को कानून विशेषज्ञों और विधि छात्रों के बीच संवाद होगा।

17 अक्टूबर को महिलाओं और बच्चों से जुड़े अपराधों की रोकथाम पर एनजीओ द्वारा सामाजिक जागरूकता सत्र होगा।

18 अक्टूबर को इस प्रदर्शनी का समापन समारोह भव्य रूप में आयोजित किया जाएगा। जयपुर में यह आयोजन केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि कानून, तकनीक, निवेश और सामाजिक न्याय का संगम है। अमित शाह की उपस्थिति के साथ राजस्थान न केवल नए निवेश का द्वार खोलेगा, बल्कि न्याय और विकास के क्षेत्र में पूरे देश के लिए एक नई मिसाल स्थापित करेगा।

प्रसिद्ध जैन तीर्थ क्षेत्र महुड़ी जाना हुआ और भी आसान

# मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने पिलवाई-महुड़ी फोरलेन रोड का किया लोकार्पण

**▸▸20 करोड़ रुपए के खर्च से साढ़े चार किमी लंबी सड़क को सीमेंट-कंक्रीट फोरलेन में तब्दील किया**

**▸▸दिवाली-काली चौदस के त्योहारों में महुड़ी दर्शनार्थ आने वाले यात्रियों के लिए आवागमन सुगम होगा**

**▸▸मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य के सड़क नेटवर्क को और भी मजबूत बनाने के लिए सीमेंट-कंक्रीट रोड निर्माण का सड़क एवं भवन विभाग का दृष्टिकोण**

**(जीएनएस)।** गांधीनगर, 12 अक्टूबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को प्रसिद्ध जैन तीर्थ क्षेत्र महुड़ी को पिलवाई से जोड़ने वाली 4.45 किलोमीटर लंबी फोरलेन सीमेंट-कंक्रीट सड़क का लोकार्पण किया। इस सड़क के निर्माण में 20 करोड़ रुपए की लागत आई है।

इस रोड के फोरलेन बनने से महुड़ी तीर्थ क्षेत्र के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर यातायात सुविधाएं मिलेगी, साथ ही समय और ईंधन की बचत भी होगी।

इतना ही नहीं, अहमदाबाद-गांधीनगर से विजापुर को जोड़ने वाली इस मुख्य सड़क के चौड़ीकरण के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या से भी निजात मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल द्वारा सड़क एवं भवन विभाग को राज्य में सड़क नेटवर्क को मजबूत और टिकाऊ बनाने के लिए दिए गए दिशा-निर्देश और मार्गदर्शन के तहत विभाग ने सीमेंट-कंक्रीट की सड़कों के निर्माण के जरिए मानसून में बरसाती पानी के चलते सड़कों को होने वाले नुकसान को रोकने का दृष्टिकोण अपनाया है।

तदनुसार, इस महुड़ी-पिलवाई रोड को भी सीमेंट-कंक्रीट से मजबूत और गुणवत्तायुक्त बनाया गया है।

सड़क को फोरलेन में तब्दील करने का यह काम 10 महीने में पूरा हुआ है और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल द्वारा दिवाली के त्योहारों से पहले इसका लोकार्पण करने से आगामी काली चौदस के अवसर पर विशाल संख्या में महुड़ी मंदिर के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवागमन सुगम होगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, समर्पण और सुशासन के 24 वर्ष पूरे होने और 25वें वर्ष में प्रवेश के अवसर पर 7 से 15 अक्टूबर के दौरान राज्यव्यापी विकास सप्ताह मनाया जा रहा है। इस विकास सप्ताह में पूरे राज्य में अनेक विकास कार्यों के लोकार्पण हो रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस विकास सप्ताह के अंतर्गत महुड़ी-पिलवाई सड़क के चौड़ीकरण कार्य का लोकार्पण किया। इस अवसर पर माणसा के विधायक श्री जे.एस. पटेल सहित कई पदाधिकारी, अग्रणी और गांव के नागरिक उपस्थित रहे।

# बिहार चुनाव 2025: NDA में सीट बंटवारा हुआ तय, JDU और BJP को 101-101 सीटें, लोजपा, HAM और RLM को मिली हिस्सेदारी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए राष्ट्रीय जनता दल (NDA) में लंबे इंतजार के बाद आखिरकार सीट बंटवारे का मसला सुलझ गया। हफ्तों चली अंदरूनी बातचीत और खींचतान के बाद जेडीयू और बीजेपी दोनों को 101-101 सीटें, जबकि बाकी सीटें एनडीए के छोटे घटक दलों में बांटी गई हैं। इस सीट बंटवारे ने चुनावी तैयारियों में स्पष्टता ला दी है और सभी दलों ने मिलकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को प्रचंड बहुमत से फिर से सत्ता में लाने का संकल्प लिया है।

सीट बंटवारे का फॉर्मूला इस प्रकार है:

- जेडीयू (JDU): 101 सीटें
- बीजेपी (BJP): 101 सीटें
- लोजपा (रामविलास) [LJP(R)]: 29 सीटें
- रालोमो (RLM): 6 सीटें
- हम (HAM): 6 सीटें

जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा कि सभी NDA घटक दलों ने सौहार्दपूर्ण माहौल में सीटों का वितरण पूर्ण किया है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी नेता और कार्यकर्ता इस फैसले का स्वागत कर रहे हैं और मिलकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को फिर से सत्ता में लाने के लिए तैयार हैं।

बीजेपी प्रभारी विनोद तावड़े ने भी सीट बंटवारे की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि सभी NDA घटक दल एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं और जनता के सामने विकास और स्थिरता का चेहरा पेश करेंगे।

सीट बंटवारे के बाद अब सारा ध्यान उम्मीदवार सूची (Candidate List) पर केंद्रित है।

- बीजेपी के उम्मीदवारों के नाम लगभग तय हो चुके हैं और दिल्ली में रविवार शाम होने वाली पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (CEC) की बैठक में अंतिम मुहर लगाई जाएगी। इसके तुरंत बाद कैंडिडेट लिस्ट जारी कर दी जाएगी।
- जेडीयू ने भी अपने उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए हैं, बस सही समय का इंतजार है।
- लोजपा (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने भी घोषणा कर दी है कि उनकी पार्टी जल्द अपनी कैंडिडेट लिस्ट जारी करेगी।

इस तरह, बिहार में एनडीए की सीट बंटवारा प्रक्रिया पूरी हो गई है, और अब चुनावी तैयारियों में सभी दल कैंडिडेट फाइनलाइजेशन और प्रचार अभियान पर जोर देंगे।

इस सीट बंटवारे में देखा जा सकता है कि चिराग पासवान की लोजपा को 29 सीटें, जबकि HAM और RLM को समान रूप से 6-6 सीटें दी गई हैं। यह बंटवारा NDA के संपूर्ण एकजुट फ्रंट को दर्शाता है और आगामी चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की मजबूत वापसी की संभावना बढ़ाता है।

# अलीगढ़ में धारदार हथियार से युवक की बेरहमी से हत्या, 8 आरोपी गिरफ्तार

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के जवां क्षेत्र में एक भयावह और सनसनीखेज घटना सामने आई है, जिसमें 18 वर्षीय युवक करण की घर से खींचकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस और प्रशासन के अनुसार, यह वारदात सांप्रदायिक तनाव को जन्म देने वाली है और पूरे इलाके में तनाव फैल गया।

जानकारी के अनुसार, मृतक करण, जो मेघसिंह का बेटा है, नोएडा में मजदूरी करता था। वह 11 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे घर लौटा। आधे घंटे बाद कुछ युवकों ने उसके घर पहुंचकर उसे जबरन बाहर खींच लिया। आरोप है कि इसके बाद उसे लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से पीटा गया। करण पर कई चाकू के वार किए गए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

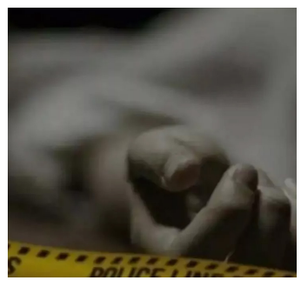

घटना की सूचना मिलने पर थाना जवां पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों ने मुख्य आरोपी अशद खान समेत आठ लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जवां क्षेत्र में घटना के बाद सभी दुकानों के शटर बंद हो गए और इलाके में भय और तनाव का माहौल बन गया। प्रशासन ने संवेदनशील स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं और किसी भी परिस्थिति में दोषियों को बख्शे जाने की अनुमति नहीं देने का संकल्प लिया है।

घटना के बाद परिजन और ग्रामीणों ने थाने का घेराव किया और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में रखते हुए पूरी कार्रवाई तेज कर दी है।

जिला प्रशासन और पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और सभी आरोपियों से पूछताछ के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह घटना इलाके में सुरक्षा और कानून व्यवस्था के महत्व को फिर से रेखांकित करती है।

# असम की जनसंख्या में बड़ा बदलाव, CM हिमंत बिस्वा सरमा का दावा: हिंदू आबादी घटकर 40%, मुस्लिम आबादी करीब 39.5%

**(जीएनएस)।** गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य की जनसंख्या में हो रहे बदलाव को लेकर रविवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि असम में हिंदुओं की आबादी अब कुल आबादी का लगभग 40 प्रतिशत रह गई है, जो मुस्लिम आबादी के लगभग बराबर है। मुख्यमंत्री ने इस बदलाव को "जनसांख्यिकीय परिवर्तन का बड़ा असर" बताते हुए आगाह किया कि यदि अन्य समुदायों को अलग रखा जाए, तो असम में हिंदू आबादी अब 40 प्रतिशत से अधिक नहीं है।

हिमंत बिस्वा सरमा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 2021 के अनुमानों के अनुसार, मुस्लिम आबादी अब राज्य की कुल आबादी का लगभग 39.5 प्रतिशत हो गई है, जबकि ईसाई आबादी 6-7 प्रतिशत के बीच है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये आंकड़े 2011 की जनगणना और उसके बाद के अनुमानों पर आधारित हैं। मुख्यमंत्री ने इस जनसांख्यिकीय बदलाव की मुख्य वजह अवैध घुसपैठ को बताया। उन्होंने कहा कि वैष्णव संस्कृति का केंद्र और दुनिया के सबसे बड़े आबाद नदी द्वीप माजुली जैसे क्षेत्रों में मुस्लिम आबादी में 100 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि यह वृद्धि स्थानीय मुसलमानों की प्राकृतिक जनसंख्या वृद्धि

के कारण नहीं, बल्कि अवैध घुसपैठियों के कारण हुई।

सरमा ने केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में घोषित 'जनसांख्यिकी मिशन' का समर्थन करते हुए इसे इस मुद्दे के समाधान की दिशा में पहला निर्णायक कदम बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर इस मिशन की घोषणा एक सकारात्मक पहल है, जो असम और अन्य प्रभावित राज्यों में संतुलित जनसंख्या सुनिश्चित करने में मदद करेगी।

2011 की जनगणना के अनुसार असम में हिंदुओं की आबादी लगभग 61.47 प्रतिशत थी, जबकि मुस्लिम आबादी 34.22 प्रतिशत थी। मुख्यमंत्री के हालिया दावे इस समय सामने आए हैं जब असम में अवैध घुसपैठ और नागरिकता से जुड़े मुद्दे राजनीतिक और सामाजिक बहस का केंद्र बने हुए हैं। इस बयान ने राज्य में जनसांख्यिकी और सामाजिक संरचना पर नई बहस को जन्म दिया है।

# सोना बनाम क्रिप्टो : जोहो फाउंडर श्रीधर वेम्बू ने बताया बुरे वक्त का असली हीरो

निवेशकों के लिए यह हमेशा एक सवाल रहा है कि अस्थिर आर्थिक दौर में पैसा कहां लगाया जाए—क्या ट्रेडिशनल निवेश, जैसे सोना, या फिर मॉडर्न डिजिटल असेट, यानी क्रिप्टोकरेंसी। इस बहस में अब जोहो कॉर्पोरेशन के फाउंडर और 50 हजार करोड़ रुपए के मालिक श्रीधर वेम्बू ने अपना स्पष्ट रुख पेश किया है।

हाल के वर्षों में क्रिप्टोकरेंसी ने निवेशकों को आकर्षक रिटर्न दिए हैं। बिटकॉइन ने बीते पांच साल में तीन गुना तक रिटर्न दिया है, वहीं सोने ने भी इसी अवधि में निवेशकों को करीब तीन गुना लाभ पहुँचाया है। हालांकि, मौजूदा साल में बिटकॉइन ने निवेशकों को केवल 30 प्रतिशत का मामूली रिटर्न दिया, जबकि सोने ने 50 प्रतिशत से अधिक की कमाई दी। ऐसे में सवाल उठता है कि बुरे वक्त में निवेशकों का असली साथी कौन है।

श्रीधर वेम्बू ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर स्पष्ट किया कि उनके लिए लॉन्ग टर्म वैल्यू और भरोसे के मामले में सोना क्रिप्टोकरेंसी की तुलना में कहीं अधिक विश्वसनीय है। उन्होंने कहा कि सोने को वह "गिरती करेंसी के मुकाबले में इंश्योरेंस" मानते हैं, यानी जब महंगाई बढ़ती है या पेपर करेंसी की वैल्यू गिरती है, सोना अपनी क्रय शक्ति बनाए रखता है। उनके अनुसार सोने ने दीर्घकालिक निवेशों जैसे सरकारी बॉन्ड

और ट्रेजरी बिल्स की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है।

वहीं, क्रिप्टोकरेंसी के प्रति वेम्बू सतर्क हैं। उन्होंने खुलकर कहा कि बिटकॉइन जैसी डिजिटल संपत्तियों में उन्हें कभी दिलचस्पी नहीं रही, क्योंकि ये अत्यधिक अप्रत्याशित हैं और मूल्य काफी हद तक सॉफ्टवेयर सिस्टम और सट्टा बाजार पर निर्भर करता है। उनका मानना है कि पैसा इतना महत्वपूर्ण है कि इसे केवल केंद्रीय बैंकों या तकनीकी इंजीनियरों के भरोसे नहीं छोड़ना चाहिए। श्रीधर वेम्बू की यह सोच भारतीय मानसिकता से भी मेल खाती है, जहां सोना केवल निवेश का माध्यम नहीं बल्कि सुरक्षा और धन का प्रतीक है। परिवार अक्सर अनिश्चित समय में सोना खरीदकर अपनी बचत को सुरक्षित रखते हैं। ग्लोबल स्तर पर भी सोने की बढ़ती कीमतें इसे भरोसेमंद विकल्प बनाती हैं।

इस प्रकार, डिजिटल फिनटेक और नई तकनीकों के बावजूद श्रीधर वेम्बू का संदेश साफ है—अनिश्चित आर्थिक दौर में रियल वैल्यू अभी भी उस चीज में है जिसे आप अपने पास रख सकते हैं, और इस दृष्टिकोण में सोना ही बुरे वक्त का असली साथी और हीरो बनकर उभरता है।

# योगी सरकार ने लिखा डिजिटल विकास का नया अध्याय, यूपी बना भारत का उभरता आईटी हब

लखनऊ। कुछ साल पहले तक उत्तर प्रदेश का नाम सुनते ही लोग कृषि और पारंपरिक उद्योगों की बात करते थे। लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदृष्टि और सशक्त नीतियों ने अब यह धारणा बदल दी। आज लखनऊ, कानपुर और नोएडा जैसे शहरों में आईटी पार्क्स की जगमगाहट नई कहानी कह रही है। यूपी अब सिर्फ भारत का हृदय नहीं, बल्कि डिजिटल भारत का मस्तिष्क भी बनने की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि सूचना प्रौद्योगिकी केवल तकनीक नहीं, यह परिवर्तन की शक्ति है। सीएम योगी के इसी सूत्रवाक्य को आगे बढ़ते हुए प्रदेश के आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने हर युवा को अवसर देने और उत्तर प्रदेश को भारत का सबसे बड़ा आईटी हब बनाने की दिशा में ठोस प्रयास प्रारंभ किए हैं।

2015 में जहां प्रदेश का आईटी निर्यात केवल 15,000 करोड़ था, वहीं आज यह आंकड़ा 75,000 करोड़ से अधिक पहुंच चुका है। यह केवल एक आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि उन हजारों युवाओं की मेहनत और योगी सरकार के तकनीकी विजन की सफलता का प्रतीक है। योगी सरकार की सूचना प्रौद्योगिकी नीति 2017-2022 ने निवेशकों के लिए दरवाज़े खोले हैं। माइक्रोसॉफ्ट इंडिया, पेटीएम, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, मैक इंडिया जैसी दिग्गज कंपनियों ने प्रदेश में निवेश कर भरोसे की नई मिसाल कायम की। परिणामस्वरूप 5,584 करोड़ का निवेश और 53,000 रोजगार अवसर सृजित हुए। नई आईटी एवं आईटी जनित सेवा नीति-2022 के तहत दो नई परियोजनाओं को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किया गया है, जिनसे 900 युवाओं को रोजगार मिलेगा। वहीं 48 करोड़ से अधिक निवेश वाली तीन परियोजनाएं मंजूरी के इंतज़ार में हैं।

योगी सरकार ने आईटी और आईटीईएस क्षेत्र को "उद्योग का दर्जा" देकर इतिहास रच दिया। अब आईटी कंपनियों को औद्योगिक श्रेणी की भूमि औद्योगिक दरों पर मिल रही है। इस फैसले से निवेशक आत्मविश्वास के साथ उत्तर प्रदेश को अपना ठिकाना बना रहे हैं। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (STPI) के सहयोग से नोएडा, मेरठ, लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज और आगरा में आईटी पार्क्स और एसटीपीआई केंद्र संचालित हो रहे हैं। अब यही रौशनी वाराणसी, बरेली और गोरखपुर की ओर बढ़ रही है, जहां नए केंद्र बन रहे हैं। इससे न केवल रोजगार बढ़ेगा, बल्कि छोटे शहर भी डिजिटल अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा में शामिल होंगे। कानपुर की दीप्ति हो या गोरखपुर के आर्यन -इन युवाओं ने कभी सोचा भी नहीं था कि अपने ही शहर में बड़ी आईटी कंपनियों के साथ काम करने का मौका मिलेगा। योगी सरकार की नीति ने उनकी यह इच्छा पूरी की है। आज ये युवा अपनी प्रतिभा से न सिर्फ अपनी पहचान बना रहे हैं, बल्कि प्रदेश को नई पहचान भी दे रहे हैं।

# आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025: ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 3 विकेट से हराकर वनडे इतिहास का सबसे बड़ा चेज किया

विशाखापत्तनम। आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के मैच नंबर-13 में ऑस्ट्रेलिया ने रोमांचक मुकाबले में भारत को 3 विकेट से हराया। यह मुकाबला विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए स्मृति मंधाना और प्रतीका की शानदार फिफ्टी के दम पर 331 रनों का मजबूत स्कोर बनाया। लेकिन इसके जवाब में उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इसे केवल 49 ओवर में ही हासिल कर लिया और वनडे महिला क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा चेज दर्ज किया।

भारतीय टीम ने टूर्नामेंट की शुरुआत जोरदार अंदाज में की थी। उसने श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ

जीत दर्ज की थी, लेकिन इसके बाद साउथ अफ्रीका और अब ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। मंधाना और प्रतीका के शतकीय प्रदर्शन के बावजूद भारतीय गेंदबाज ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को रोक नहीं पाए और बड़ी जीत का लक्ष्य पूरा नहीं कर सके।

दूसरी ओर, वर्ल्ड चैम्पियन ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी और तेज गेंदबाजी का प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने पहले न्यूजीलैंड और पाकिस्तान को पराजित किया था, जबकि श्रीलंका के खिलाफ उनका मैच धुल गया था। ऑस्ट्रेलिया की यह जीत उन्हें टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान पर बनाए रखने में मदद करेगी और साथ ही भारत के लिए आगामी मैचों में चुनौती बढ़ा दी है।

विशाखापत्तनम के इस मुकाबले ने दर्शकों को रोमांचक अंत तक बांधे रखा। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने बड़े शॉट खेले और दबाव में भी कूल प्रदर्शन किया, जिससे यह चेज वनडे इतिहास में सबसे यादगार और सबसे बड़ी चेज के रूप में दर्ज हो गया। भारतीय टीम अब अपनी रणनीति सुधारकर आगे के मैचों में वापसी करने की कोशिश करेगी।

# अहमदाबाद में टोरेंट समूह के यूएनएम फाउंडेशन ने 'संकलन' नामक अत्याधुनिक न्यूरो पुनर्वास केंद्र की शुरुआत की

अहमदाबाद। चिकित्सा और मानवता के संगम का प्रतीक बनते हुए टोरेंट समूह समर्थित यूएनएम फाउंडेशन ने रविवार को अहमदाबाद में देश के सबसे उन्नत न्यूरो पुनर्वास केंद्र 'संकलन' का शुभारंभ किया। लगभग 30,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला यह केंद्र स्ट्रोक, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी की चोटों, पार्किंसन, मल्टीपल स्क्लेरोसिस और अन्य न्यूरोलॉजिकल विकारों से जूझ रहे मरीजों के लिए एक समग्र उपचार केंद्र के रूप में स्थापित किया गया है।

फाउंडेशन ने बताया कि 'संकलन' का उद्देश्य विशेष रूप से वंचित और मध्यम वर्गीय पृष्ठभूमि से आने वाले मरीजों को किफायती और वैज्ञानिक पुनर्वास सुविधा प्रदान करना है। यह केंद्र विज्ञान, तकनीक और सहानुभूति के संयोजन पर आधारित है, जो मरीजों की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक पुनर्स्थापना के लिए व्यक्तिगत उपचार कार्यक्रम तैयार करता है।

केंद्र में फंक्शनल नियर-इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (fNIRS), गैर-आक्रामक मस्तिष्क उत्तेजना प्रणाली, रोबोटिक पुनर्वास उपकरण, और वर्चुअल रियलिटी-आधारित थैरेपी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। इन तकनीकों की मदद से मरीजों के मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को बेहतर समझा जा सकता है और उनके पुनर्वास की गति को वैज्ञानिक रूप से बढ़ाया जा सकता है।

यूएनएम फाउंडेशन के स्वास्थ्य पहल प्रमुख डॉ. चैतन्य दत्त ने कहा, "इस केंद्र का नाम 'संकलन' इस विचार से प्रेरित है कि विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञताएँ — न्यूरोलॉजिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, ऑक्यूपेशनल थैरेपिस्ट, साइकोलॉजिस्ट और स्पीच थैरेपिस्ट — एकजुट होकर मरीज की संपूर्ण चिकित्सा में योगदान दें। यह वास्तव में बहुविषयक समन्वय का प्रतीक है।"

टोरेंट समूह की निदेशक जिनल मेहता ने इस अवसर पर कहा कि 'संकलन' सिर्फ एक केंद्र नहीं, बल्कि भारत में न्यूरो पुनर्वास की एक नई दृष्टि है। उन्होंने बताया कि यह परियोजना प्रायोगिक रूप से अहमदाबाद में शुरू की गई है, और इसके परिणामों के आधार पर इसे सूरत, वडोदरा और राजकोट जैसे शहरों में, तथा बाद में देशभर में विस्तार देने की योजना है।

मेहता ने कहा, "हमारा उद्देश्य केवल उपचार प्रदान करना नहीं है, बल्कि मरीजों और उनके परिवारों को उम्मीद देना है। न्यूरोलॉजिकल बीमारियाँ लंबे समय तक चलने वाली और थकाने वाली होती हैं, इसलिए 'संकलन' जैसी पहल मरीजों को शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी सशक्त बनाती है।"

अहमदाबाद में इस केंद्र के उद्घाटन ने यह संकेत दिया है कि भारत अब

# गुजरात में कपास किसानों के लिए आप का प्रदर्शन, प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी हिरासत में, पुलिस और सरकार पर तीखा आरोप

**(जीएनएस)।** अहमदाबाद/बोटाद। गुजरात में कपास किसानों के उचित मूल्य और उनके अधिकारों की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी (AAP) द्वारा बुलाई गई महापंचायत रविवार को नहीं हो सकी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी को पुलिस ने बोटाद पहुंचने से पहले ही हिरासत में ले लिया। इसुदान गढ़वी आप किसान सेल के नेता राजू करपड़ा के खिलाफ कार्रवाई और किसानों के हितों की रक्षा को लेकर बोटाद में महापंचायत बुलाई थी।

इसुदान गढ़वी ने हिरासत में लिए जाने के बाद पुलिस और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 2027 के चुनावों में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट में पूरी गुजरात पुलिस बदल दी जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि बोटाद के मार्केटिंग यार्ड में किसानों को उनकी कपास का उचित मूल्य नहीं मिल रहा और व्यापारी गीली कपास के नाम पर भाव कम कर देते हैं।

महापंचायत में शामिल होने के लिए तैयार कई पार्टी नेता मौके पर नहीं पहुंच पाए। महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष रेश्मा पटेल और यूथ विंग के प्रमुख ब्रिजराज सोलंकी को

भी पुलिस ने रोक लिया। इसुदान गढ़वी के साथ समत गढ़वी, सागर रबारी, गौरी देसाई, एचडी पटेल और किरण देसाई को पुलिस ने रोककर वाहनों में बिठाया और कई घंटे बाद छोड़ा। इसुदान गढ़वी ने सवाल उठाया कि क्या वे आतंकवादी हैं, जिन्हें रोकने के लिए सरकार इतनी सतर्क है। उन्होंने दावा किया कि बोटाड में आज महापंचायत न हो पाने के बावजूद निकट भविष्य में 50,000 से अधिक किसानों की मौजूदगी में बड़ी महापंचायत आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री 54 लाख किसानों के अधिकारों पर हमला कर रहे हैं और अगर सभी किसान सड़कों पर उतर आएं तो भाजपा सरकार को कौन बचाएगा।

इसुदान गढ़वी ने यह भी कहा कि जरूरत पड़ी तो आम आदमी पार्टी अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी गुजरात बुलाकर किसानों की आवाज को मजबूत करेगी। उनका संदेश स्पष्ट था कि AAP किसानों को उनका हक दिलाने तक पीछे नहीं हटेगी और राज्य में किसानों के अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी।

# भारत ने 2024-25 के विपणन सत्र में किया 7.75 लाख टन चीनी का निर्यात, जिबूती बना सबसे बड़ा आयातक देश

नई दिल्ली। भारत ने वैश्विक बाजार में अपनी मीठी उपस्थिति दर्ज कराते हुए वित्त वर्ष 2024-25 के विपणन सत्र में अब तक 7.75 लाख टन चीनी का निर्यात किया है। यह जानकारी ऑल इंडिया शुगर ट्रेड एसोसिएशन (AISTA) ने रविवार को जारी एक रिपोर्ट में दी। रिपोर्ट के अनुसार, यह निर्यात आंकड़ा फरवरी से सितंबर 2025 के बीच का है, जो दर्शाता है कि भारत की चीनी उद्योग वैश्विक मांग के अनुरूप स्थिर और प्रतिस्पर्धी बना हुआ है।

चीनी का विपणन सत्र भारत में हर वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। वर्ष 2024-25 के लिए केंद्र सरकार ने 20 जनवरी 2025 को कुल 10 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी थी, जिसमें से अब तक 7.75 लाख टन चीनी का निर्यात पूरा हो चुका है। इससे यह संकेत मिलता है कि भारतीय चीनी मिलें अपने लक्ष्यों को निर्धारित समय से पहले पूरा करने की दिशा में अग्रसर हैं।

AISTA की रिपोर्ट के अनुसार, निर्यात की गई चीनी में सफेद चीनी

का हिस्सा सबसे बड़ा रहा है, जो 6.13 लाख टन है। इसके बाद रिफाइंड चीनी का निर्यात 1.04 लाख टन और कच्ची चीनी (Raw Sugar) का निर्यात 33,338 टन रहा है।

सबसे अधिक भारतीय चीनी अफ्रीकी देश जिबूती को भेजी गई, जिसकी मात्रा 1.46 लाख टन रही। इसके बाद सोमालिया को 1.35 लाख टन, श्रीलंका को 1.34 लाख टन और अफगानिस्तान को 75,533 टन चीनी का निर्यात किया गया। ये आंकड़े बताते हैं कि भारत की चीनी निर्यात नीति अफ्रीकी और दक्षिण एशियाई बाजारों में मजबूत पैठ बना रही है।

चीनी व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक बाजार में भारत की इस उपलब्धि के पीछे चीनी उत्पादन में स्थिरता, बेहतर लॉजिस्टिक व्यवस्था और सरकार की समय पर निर्यात अनुमति प्रमुख कारण हैं।

हालांकि, उद्योग विशेषज्ञों ने यह भी संकेत दिया है कि आगामी महीनों में भारत को आंतरिक मांग, मानसूनी वर्षा के प्रभाव और एथेनॉल उत्पादन नीति जैसे कारकों पर ध्यान देना होगा, क्योंकि ये देश के घरेलू चीनी भंडार और भविष्य के निर्यात को प्रभावित कर सकते हैं।

AISTA ने अपनी रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया कि भारत की चीनी मिलें अब अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में अधिक सक्षम हो चुकी हैं, जिससे भारत का चीनी निर्यात केवल मात्रा में नहीं बल्कि गुणवत्ता में भी मजबूत हुआ है। इस तरह, 2024-25 के विपणन सत्र में भारत का 7.75 लाख टन का निर्यात न केवल एक आर्थिक उपलब्धि है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि भारतीय कृषि और उद्योग क्षेत्र विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धा करने की पूरी क्षमता रखता है।

# गोमती केवल नदी नहीं, सांस्कृतिक चेतना और जीवनधारा की प्रतीक : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 'गोमती नदी पुनर्जीवन मिशन' की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पीलीभीत से गाजीपुर तक प्रवाहित गोमती केवल एक नदी नहीं, बल्कि उत्तर भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक विरासत और जीवनधारा की प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोमती का पुनर्जीवन सिर्फ जल शुद्धिकरण नहीं, बल्कि पर्यावरण, संस्कृति और समाज के पुनर्संवर्धन का व्यापक अभियान है। मुख्यमंत्री योगी टेरिटोरियल आर्मी की पहल पर आयोजित गोमती टास्क फोर्स की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी परियोजना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की सहभागिता से चलने वाला जन-आंदोलन होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गोमती में एक भी बूंद सीवरेज न गिरे, इसके लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक रणनीतियां बनाई जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदी किनारे की अवैध बस्तियों में घुसपैठियों की पहचान कर कार्रवाई की जाए, ताकि स्वच्छता और सुरक्षा दोनों सुनिश्चित हो सकें। उन्होंने कहा कि मिशन का दायरा पीलीभीत से गाजीपुर तक नदी के पूरे प्रवाह क्षेत्र को कवर करेगा, जिससे गोमती अपने संपूर्ण रूप में स्वच्छ, अविरल और निर्मल बन सके।